मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

■ वर्ष : 42 ■ अंक : 161 ■ गुरुवार, 12 सितंबर 2024 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now /ulhasvikas संपादक - हीरो अशोक बोधा (BMM, L.LB.) Mobile.:- 9822045566

epaper.ulhasvikas.com

अंबरनाथ नगर परिषद में 100 करोड़ का भ्रष्टाचार : महेश तपासे

■ राकांपा (शरद पवार गुट) ने लगाया आरोप

■ जांच के बाद दोषियों पर दर्ज होंगे अपराध : मुख्याधिकारी

▶▶ यूसुफ शेख

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद में 100 करोड़ रुपए का भ्रष्टाचार हुआ है. ऐसा आरोप राष्ट्रवादी कांग्रेस (शरद पवार गुट) के प्रवक्ता महेश तपासे द्वारा लगाए जाने के बाद शहर में खलबली मची हुई है. शहर विकास काम हुई ही नहीं और उसके करोड़ों रुपयों के झूठे बिल निकाले गए हैं. वहीं मुख्याधिकारी प्रशांत रसाल ने कहा है कि इस आरोप की पूरी जांच की जाएगी और दोषियों के विरुदध कार्रवाई करके पुलिस में अपराध दर्ज किया जाएगा.

अंबरनाथ राकांपा के अध्यक्ष सदाशिव पाटिल और उनके कार्यकर्ता भी मुख्याधिकारी के साथ बैठक में शामिल थे. सदाशिव पाटिल ने बैठक के बाद पत्रकारों से कहा कि मुख्याधिकारी विरोधियों एवं उनके काम ही नहीं कर रहे हैं. विकास काम होता नहीं और झूठे कार्य के बिल निकाले जा रहे हैं. हम मुख्याधिकारी से जब जवाब तलब करते हैं तो कहा जाता है कि सांसद को फोन करो. पाटिल ने रोष व्यक्त करते हुए कहा कि हम छोटे-छोटे कामों के लिए सांसद को क्यों फोन करें. मुख्याधिकारी से उन्होंने कहा है कि अगर काम नहीं करना है तो कुर्सी छोड़ दो. पाटिल ने ये भी कहा कि वह आंदोलन की तैयारी में हैं.

> रसाल ने पत्रकारों को बताया कि इसकी पूरी जांच होगी. आरोप सिद्ध हुए तो संबंधितों पर पुलिस में अपराध दर्ज किया जाएगा. बैठक में नपा के कई अधिकारी, उप अभियंता भी उपस्थित थे.

महेश तपासे ने भी आरोप लगाया है कि विकास काम होते नहीं हैं और झूठे करोंडों के बिल निकाले जा रहे हैं. नपा में 100 करोड़ रुपयों का भ्रष्टाचार होने का आरोप उन्होंने लगाया है. उन्होंने कुछ कामों के झूठे बिल भी मुख्याधिकारी रसाल को बताए हैं. उन्होंने संबंधितों पर कार्रवाई करने को कहा है.

अंबरनाथ में स्काई वॉक से गिरकर युवक की मौत

युवक गिरा या धक्का देकर गिराया गया? पुलिस कर रही जांच

■ मृतक म्हारल गांव का निवासी

■ आकस्मिक मृत्यु का मामला दर्ज

अंबरनाथ का स्काई वॉक जहां बैठा था युवक

स्काई वॉक के नीचे सड़क पर फैला खून

अंबरनाथ. अंबरनाथ पश्चिम स्टेशन रोड स्काई वॉक के नीचे बुधवार रात में खून से लथपथ एक युवक का पड़ा मिला. पुलिस उसे छाया उप जिला अस्पताल ले गई, जहां उपचार के दौरान ही उसकी मौत हो गई. सुबह में ये चर्चा जोरों पर थी कि युवक स्काई वॉक से गिरा है अथवा उसे ऊपर से किसी ने धक्का देकर गिराया है. सड़क पर खून ज्यादा पड़ा हुआ था. अंबरनाथ पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया है और जांच में जुट गई है.

युवक का नाम अशरफ अनवर सय्यद (18) है, जो कि म्हारल गांव, उल्हासनगर का निवासी था. पुलिस निरीक्षक गोसावी ने हमें बताया कि रात 2 बजे की घटना है. वह घटनास्थल पर पहुंचे और शव को पास के छाया उप जिला अस्पताल ले गए. उपचार के समय उसकी मौत हो गई.

छाया अस्पताल की डॉ. शुभांगी वडेकर ने बताया कि मृतक के मुंह और नाक से ज्यादा खून बह जाने से उसकी मौत हो गई. गोसावी ने बताया कि स्काई वॉक के नीचे खड़े युवकों ने उन्हें बताया कि रात 1.30 बजे उन्होंने देखा कि मृतक युवक स्काई वॉक की रेलिंग पर बैठकर मोबाइल देख रहा था. संतुलन बिगड़ने के बाद वह नीचे की ओर गिरा है. पुलिस ने हमें ये भी बताया कि स्काई वॉक पर जहां युवक बैठा था, वहां से शराब की दो बोतलें मिली हैं. पास की दुकान में लगे सीसीटीवी में देखा गया है वह स्काई वॉक से नीचे गिर रहा है. पुलिस इस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है. आकस्मिक मौत का मामला दर्ज किया गया है.

अस्पताल में जारी उपचार

शोकाकुल परिजन

टिटवाला में गीतांजलि एक्सप्रेस का इंजन फेल

कसारा की रेल सेवा बाधित

कल्याण. मुंबई से रवाना होने वाली गीतांजलि एक्सप्रेस का इंजन बुधवार सुबह टिटवाला रेलवे स्टेशन इलाके में खराब हो गया. एक्सप्रेस के मौके पर फंसने से इस एक्सप्रेस के पीछे चल रही कसारा लोकल और अन्य एक्सप्रेस ट्रेनें शहाड, कल्याण रेलवे स्टेशन इलाके में फंस गईं.

कसारा के लिए रेलवे यातायात करीब एक घंटे के लिए रोक दिया गया। स्थानीय लोगों के काफी देर तक एक ही स्थान पर फंसे रहने से यात्री नाराज थे. कल्याण से सब्जियां ले जाने वाले खुदरा विक्रेता भी फंसे हुए थे। इंजन में खराबी का पता चलते ही गीतांजलि एक्सप्रेस के लोको पायलट, टिटवाला रेलवे स्टेशन के तकनीशियनों ने मिलकर इंजन की खराबी को ठीक करने का प्रयास शुरू कर दिया।

हालांकि, मुंबई के लिए लोकल सेवा सुचारू रही। चूंकि इंजन में आई खराबी को ठीक नहीं किया जा रहा था, इसलिए रेलवे अधिकारियों ने आखिरकार कल्याण कारशेड से एक नया इंजन लाने और इसे गीतांजलि एक्सप्रेस से जोड़ने का फैसला किया।

उल्हासनगर महानगर पालिका ने दिव्यांगों को नहीं दिया मानधन

...तो भीख मांगो आंदोलन किया जाएगा

उल्हासनगर. उल्हासनगर महानगरपालिका के विकलांग विभाग के एक कर्मचारी की छुट्टी के कारण मनपा के 2000 विकलांगों को 10 तारीख को गणपति के मौके पर मिलने वाले मानधन से वंचित होना पड़ा है और उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ा. इन विकलांग भाइयों को उनका पारिश्रमिक नहीं मिलने पर 13 सितंबर को मनपा में विकलांग विभाग के कार्यालय के सामने भीख मांगो आंदोलन और आम विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी प्रहार जन शक्ति पार्टी के ठाणे जिला अध्यक्ष एड. स्वप्निल पाटिल ने दी है.

उल्हासनगर मनपा का विकलांगता विभाग 2000 विकलांगों को मानधन देता है। लेकिन इस विभाग की कुछ गलतियों के कारण 10 तारीख को मिलने वाला वेतन नहीं मिल पाया. इस बीच, पिछली बैठक में तत्कालीन आयुक्त के समक्ष मांग की गयी थी कि विकलांगों को मिलने वाले पारिश्रमिक का भुगतान समय पर किया जाये. इस संबंध में तत्कालीन आयुक्त ने आश्वासन दिया था कि 10 तारीख को दिव्यांगों को उनका मानधन मिल जायेगा. लेकिन एक माह में समय पर वेतन भुगतान कर दिव्यांगों को अगले माह फिर बेसहारा छोड़ दिया गया है.

अतः अगले तीन दिनों में यदि दिव्यांगों के खाते में शुक्रवार को प्रातः 11 बजे तक रकम जमा नहीं हो पाती है, तो मनपा में विकलांग विभाग के कार्यालय के सामने भीख मांगो आंदोलन और आम विरोध प्रदर्शन करने की चेतावनी प्रहार जन शक्ति पार्टी के ठाणे जिला अध्यक्ष एड. स्वप्निल पाटिल ने दी है.

रिश्वतखोरी में लिप्त एफडीए अधिकारी

■ कोंकण विभाग में रिश्वतखोरी के 4 मामले सामने आए

ठाणे. नागरिकों के स्वास्थ्य से सीधे जुड़े खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के अधिकारी मिलावटखोरों के खिलाफ, नियमों का उल्लंघन करने वाले खाद्य व्यवसायियों के साथ-साथ दवा विक्रेताओं, निर्माताओं और गुटखा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करने की बजाय 'एफडीए' के अधिकारी रिश्वतखोरी में लगे हुए हैं. एफडीए के कोंकण डिवीजन में पिछले आठ महीनों में रिश्वतखोरी के चार मामले सामने आए हैं, जिसमें एक सहायक आयुक्त-रैंक अधिकारी और अन्य अधिकारी शामिल हैं।

देशभर में खाद्य एवं सुरक्षा मानक अधिनियम लागू हुए करीब 13 साल हो गए हैं। हालाँकि इस अधिनियम का मुख्य उद्देश्य सुरक्षित और पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराना है, लेकिन खाद्य निर्माता और छोटे खाद्य विक्रेता इस अधिनियम को रौंदकर व्यवसाय कर रहे हैं। आज भी खाने-पीने की चीजों में मिलावट हो रही है और कुछ महीने पहले सौंफ के डंठल, लकड़ी के बुरादे और केमिकल का इस्तेमाल कर नकली जीरा पाउडर बनाया जाता था. मिलावट से जहां जीवन खतरे में पड़ने की आशंका है, वहीं दूसरी ओर बिना लाइसेंस खाद्य पदार्थों का कारोबार भी धड़ल्ले से किया जा रहा है।

दवा विक्रेता, निर्माता नियमों की अवहेलना कर रहे हैं और फार्मासिस्ट दुकानों पर मौजूद नहीं रहते हैं. सबसे गंभीर मुद्दा बिना डॉक्टर की सलाह के दवाओं की बिक्री है। दवा परीक्षण के दौरान अक्सर अस्वीकृत दवाओं का पता चलता है। नकली दवाएं भी बड़े पैमाने पर हैं और नशीली दवाएं अवैध रूप से बेची जा रही हैं।

नाबालिग लड़की से छेड़छाड़

ठाणे. ठाणे शहर में एक व्यक्ति ने 11 वर्षीय लड़की के साथ उसके घर के बाहर कथित तौर पर छेड़छाड़ की। पुलिस ने यह जानकारी दी। घटना सोमवार रात उस समय की है जब बच्ची चितलसर मानपाड़ा इलाके में अपने घर के बाहर खेल रही थी।एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि 24 वर्षीय आरोपी लड़की के पास आया, उसका हाथ पकड़ा और उसे गलत तरीके से छुआ। पुलिस ने बताया कि कपूरबावड़ी पुलिस थाने में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है।

कल्याण में महिला पत्रकार का यौन शोषण

■ पत्रकार के खिलाफ सेंट्रल पुलिस में मामला दर्ज

उल्हासनगर. कल्याण में 29 वर्षीय महिला पत्रकार के साथ यौन उत्पीड़न करने के आरोप में एक साप्ताहिक और एक यूट्यूब चैनल के पत्रकार के खिलाफ उल्हासनगर के सेंट्रल पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता शादीशुदा है और तब भी आरोपी उसे शादी के लिए प्रलोभन दे रहा था। पुलिस शिकायत के अनुसार, जब उसने इनकार कर दिया, तो आरोपी ने उसके पति को जान से मारने की धमकी देकर उसका यौन उत्पीड़न किया।

पीड़ित महिला पत्रकार की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी पत्रकार के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है. शिकायतकर्ता और आरोपी पत्रकार कल्याण में रहते हैं। पुलिस ने बताया, पीड़िता एक पत्रकार है. वह आरोपी पत्रकार के यूट्यूब न्यूज चैनल में काम करती है. ऑफिस में काम करने के दौरान आरोपी पत्रकार की इस महिला से जान-पहचान हो गई. उससे दोस्ती कायम की. उसने पीड़िता पर शादी करने का दबाव डाला। उसे पर्यटन के लिए सऊदी अरब ले जाने की तैयारी की। आरोपी पत्रकार ने महिला को शादी के बाद पलावा हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में आलीशान घर दिलाने का लालच दिया.

पीड़िता ने आरोपी से बार-बार कहा कि मैं तुमसे शादी नहीं कर सकती. आरोपी यह सुनने के मूड में नहीं था। आरोपी पत्रकार पीड़िता को कल्याण, उल्हासनगर इलाके के एक लॉज में ले गया और शादी का प्रलोभन देकर पलावा हाउसिंग कॉम्प्लेक्स में घर दिलाने के बहाने उसके साथ जबरन यौन उत्पीड़न किया। आरोपी पत्रकार लगातार पीड़िता से शादी की मांग करने लगा. ऐसा संभव न होने पर एक दिन पीड़ित महिला पत्रकार ने आरोपी से कहा कि मैं आपका न्यूज चैनल छोड़ रही हूं। आरोपी पत्रकार ने धमकी दी कि अगर तुमने न्यूज चैनल छोड़ा तो वह तुम्हें और तुम्हारे पति को जान से मार देगा।

पीड़ित महिला ने सबसे पहले इस मामले की शिकायत मानपाड़ा पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई. बाद में उल्हासनगर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया। वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक शंकर अवताडे के मार्गदर्शन में उपनिरीक्षक प्रमोद पाटिल मामले की जांच कर रहे हैं.

मुरबाड में महायुति के भीतर कलह

बीजेपी और शिवसेना के पदाधिकारियों ने एक-दूसरे पर बोला हमला

बदलापुर. लोकसभा चुनाव के बाद से ही भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के मुरबाड विधानसभा क्षेत्र में बीजेपी और शिवसेना के बीच कलह देखने को मिल रहा है. अब शिवसेना और बीजेपी के अहम नेता एक-दूसरे के खिलाफ राजनीति कर रहे हैं. कुछ दिन पहले टोकावड़े ग्राम पंचायत के कुछ शिवसेना पदाधिकारी विधायक किसन कथोरे की मौजूदगी में बीजेपी में शामिल हुए थे. उसके बाद, शिवसेना के सह-संचार प्रमुख सुभाष पवार ने खापरी ग्राम पंचायत से भाजपा सदस्यों और पदाधिकारियों को शिवसेना में प्रवेश कराया है। इससे ऐसी तस्वीर बन रही है कि मुरबाड विधानसभा में महायुति में सब कुछ ठीक नहीं है.

लोकसभा चुनाव के बाद से पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व सांसद कपिल पाटिल और भिवंडी लोकसभा क्षेत्र के मुरबाड विधानसभा क्षेत्र से विधायक किसन कथोरे के बीच खुलकर अनबन चल रही है। पाटिल ने संकेत दिया था कि समय आने पर वह कथोरे के खिलाफ लड़ने के लिए भी तैयार हैं. पाटिल और कथोरे के बीच शीत युद्ध जगजाहिर है. कुछ दिनों पहले, शिवसेना के बदलापुर शहर प्रमुख वामन म्हात्रे ने मुरबाड विधानसभा क्षेत्र की मांग करके विधायक किसन कथोरे को सीधे चुनौती दी थी। इसके अलावा पिछले कुछ दिनों से ऐसा देखने को मिल रहा है कि महायुति के इन दोनों सहयोगी दलों में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में फूट पड़ रही है.

कथोरे के खिलाफ मैदान में सुभाष पवार?

शिवसेना के वामन म्हात्रे द्वारा मुरबाड विधानसभा क्षेत्र की मांग करने के बाद सुभाष पवार भी मुरबाड विधानसभा क्षेत्र में काफी सक्रिय हैं। गणेशोत्सव के अवसर पर उनके शुभेच्छा बोर्ड बदलापुर तक देखे गए हैं। ऐसे में चर्चा इस बात की है कि क्या सुभाष पवार विधायक किसन कथोरे के खिलाफ विधानसभा मैदान में उतरेंगे.

अगस्त के अंत में, विधायक किसन कथोरे की उपस्थिति में, कुछ शिवसेना पदाधिकारी, ग्राम पंचायत उप-सरपंच, मुरबाड नगर पंचायत पार्षद और कार्यकर्ता भाजपा में शामिल हुए। इसलिए ग्रामीण इलाकों में इसे शिव सेना के लिए झटका माना गया. इसके बाद हाल ही में मुरबाड तालुका में खापरी ग्राम पंचायत के सदस्य और गांव के बीजेपी युवा कार्यकर्ता शिवसेना में शामिल हो गए हैं. यह दल प्रवेश शिवसेना के संयुक्त संपर्क प्रमुख और पूर्व जिला परिषद उपाध्यक्ष सुभाष गोटीराम पवार की उपस्थिति में हुआ है. इस एंट्री के चलते मुरबाड विधानसभा क्षेत्र में महागठबंधन के घटक दलों के बीच खुला टकराव देखने को मिल रहा है.

177 करोड की ड्रग्स नष्ट

नवी मुंबई. केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीआईसी) की एक उच्च स्तरीय ड्रग निरोधक समिति तथा राजस्व खुफिया निदेशालय के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में नवी मुंबई के तलोजा में एक गोदाम में रखी गयी लगभग 177 करोड़ रुपये मूल्य की 24.73 किलोग्राम नारकोटिक्स ड्रग्स और साइकोट्रोपिक पदार्थ को नष्ट कर दिया गया। नष्ट किए गए ड्रग्स में हेरोइन, कोकीन, मारिजुआना आदि नशीले प्रदार्थ शामिल थे।

सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के संबंध में समीक्षा बैठक

कल्याण. राष्ट्रीय स्वच्छता कर्मचारी आयोग के सदस्य डॉ. वावा ने सफाई कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के संबंध में कल्याण डोंबिवली और फिर उल्हासनगर मनपा का दौरा नियोजित था. इस संबंध में कल्याण डोंबिवली मनपा के स्थायी समिति हॉल में एक समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

उल्हासनगर मनपा के अतिरिक्त जमीर लेंगरेकर और किशोर गवस और सहायक आयुक्त मनीष हिवरे, डॉ. विजय खेडकर, डॉ. अधिकारी सुनील लोंढे, अंकुश कदम उपस्थित थे.

सफाई कर्मचारियों के प्रतिनिधि के रूप में अखिल भारतीय सफाई मजदूर कांग्रेस के चरण सिंह टाक एवं उनके साथी उपस्थित थे।

सदस्य वावा ने सफाई कर्मचारियों के उत्तराधिकार अधिकारों की नियुक्ति, कर्मचारियों के वेतन और सेवानिवृत्ति लाभों का समय पर भुगतान, कर्मचारियों के आवास की समस्या, न्यूनतम वेतन अधिनियम के अनुसार संविदा सफाई कर्मचारियों को समय पर वेतन भुगतान के संबंध में सुझाव दिए। उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि मनपा को जल्द से जल्द सफाई कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए एक संयुक्त समिति बनानी चाहिए.

सुविधा नहीं मिलने पर बिल्डर देगा रिफंड

■ राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग का निर्णय

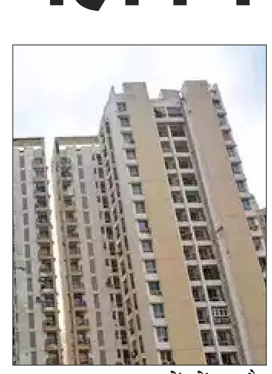

मुंबई. राष्ट्रीय उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने घर खरीदारों के हितों की रक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण फैसला दिया है. आयोग ने कहा कि अगर फ्लैट के ब्रोशर में उल्लिखित क्लब या शॉपिंग कॉम्प्लेक्स सुविधाएं कब्जे के समय उपलब्ध नहीं हैं तो फ्लैट खरीदारों को बिल्डर से रिफंड मांगने का अधिकार है. समय पर निर्माण पूरा करने और मुकदमों से बचने के लिए बिल्डर्स का ध्यान निर्माण पूरा करने और फ्लैट का कब्जा सौंपने पर रहता है.

ज्यादातर मामलों में, फ्लैट ट्रांसफर करते समय वे क्लब, जिम, ग्रीन एरिया आदि जैसी सुविधाएं पूरी नहीं कर पाते हैं. आयोग के इस फैसले से अब खरीदारों के पास कब्जा स्वीकार नहीं करने और रिफंड मांगने का विकल्प होगा.

खरीदार से आवंटित प्लॉट की पूरी रकम लेने के बाद बिल्डर ने प्लॉट दूसरे व्यक्ति को दे दिया. इसलिए ग्रेटर नोएडा जिला उपभोक्ता आयोग ने बिल्डर को 30 दिनों के भीतर ब्याज सहित पूरी रकम वापस करने का आदेश दिया है.

ग्रेटर नोएडा के एक निवासी ने भिवाड़ी में एक प्लॉट बुक किया था. उन्होंने अपनी पूरी रकम भी चुका दी. भुगतान के बाद जब वह कब्जा लेने पहुंचे तो उनका प्लॉट किसी और को दे दिया गया. बार-बार संपर्क करने के बावजूद जब उनकी समस्या का समाधान नहीं हुआ तो उन्होंने जिला उपभोक्ता आयोग में दावा दायर किया. आयोग के समक्ष सुनवाई के दौरान बिल्डर ने अपना पक्ष नहीं रखा.

सुनवाई के दौरान आयोग ने माना कि बिल्डर ने गलत तरीके से आवंटित प्लॉट दूसरे व्यक्ति को दे दिया है.

क्या है मामला?

आयोग ने यह आदेश गुड़गांव में फ्लैट बुक करने वाले एक फ्लैट खरीदार की याचिका पर दिया. उन्होंने इसे दिसंबर 2012 में बुक किया था और अनुबंध के अनुसार उन्हें अक्टूबर 2016 तक इसका कब्ज़ा लेना था. बिल्डर को अप्रैल 2017 में कब्ज़ा प्रमाणपत्र मिला और उसी महीने कब्ज़ा देने की पेशकश की, लेकिन फ्लैट खरीदार ने यह कहते हुए इनकार कर दिया कि वादे के मुताबिक सुविधाएं नहीं थीं. दस्तावेजों और निर्माण की स्थिति की जांच करने के बाद, आयोग ने बिल्डर को खरीदार को 8% ब्याज के साथ राशि वापस करने का निर्देश दिया.

जीवन में हजारों लड़ाइयां जीतने से बेहतर स्वयं पर विजय प्राप्त कर लो. फिर जीत हमेशा तुम्हारी होगी, जिसे तुमसे कोई नहीं छिप सकता. - महात्मा गौतम बुद्ध

उल्हास विकास लोकप्रिय हिंदी दैनिक

संपादकीय

युद्ध के दंश में मारे जा रहे लोग

इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में आम नागरिकों पर हमले और उनकी हत्या के औचित्य पर शुरू से सवाल उठते रहे हैं। मगर इजराइल ने शायद ही कभी इस बात की फिक्र की। अब एक बार फिर गाजा पट्टी में इजराइल के ताजा हमले में कम से कम उन्नीस लोगों की जान चली गई। खबरों के मुताबिक, इजराइल ने खान यूनिस शहर के जिस इलाके में यह हमला किया, वहां युद्ध में विस्थापित हुए फिलिस्तीनी लोगों ने शरण ली हुई है।

इजराइली सेना ने इसे खुद मानवीय क्षेत्र के रूप में चिह्नित किया है। इसके बावजूद वहां इस स्तर का हमला करना समझ से परे है। हालांकि, इजराइल का तर्क है कि यह हमला हमास के शीर्ष लड़ाकों को निशाना बनाने के इरादे से किया गया, जो वहां स्थित कमान एवं नियंत्रण केंद्र के भीतर काम कर रहे थे। अगर उसकी आशंका सही हो तो भी क्या बड़ी तादाद में आम लोगों की हत्या को उचित ठहराया जा सकता है?

दुनिया भर में सशस्त्र संघर्षों या युद्ध की स्थिति में आम लोगों की रक्षा के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कायदे-कानून की नियमावली तैयार की गई है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने भी युद्धकाल के दौरान मानव बस्तियों, शिक्षा संस्थानों, अस्पतालों और आपदा राहत व मानव सहायता केंद्रों या शरणस्थलों पर हमले को नियमों के गंभीर उल्लंघन की सूची में शामिल किया है। विडंबना यह है कि इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध हो या फिर रूस और यूक्रेन के बीच, आम नागरिकों की सुरक्षा से जुड़े कानूनों पर अमल जरूरी नहीं समझा जा रहा। गाजा पट्टी में इजराइल के हमलों में आम लोगों के हताहत होने की खबरें पहले भी कई बार आती रही हैं। हमास के लड़ाकों ने जब इजराइल की सीमा में घुसपैठ कर जनसंहार की वारदात को अंजाम देकर इस युद्ध की शुरुआत की थी तब इजराइल ने इसे अंतरराष्ट्रीय आम नागरिक सुरक्षा नियमों का गंभीर उल्लंघन बताया था।

मगर अब इजराइल की ओर से गाजा पट्टी में हो रहे हमलों में जो तस्वीर सामने आ रही है, उसे कैसे उससे अलग रूप में देखा जाएगा! सवाल है कि अगर युद्ध के दौरान आम नागरिकों की सुरक्षा का खयाल नहीं रखा जाता है तब फिर अंतरराष्ट्रीय कायदे-कानूनों का क्या महत्त्व है? संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद समेत तमाम देशों को इस पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है।

बांग्लादेश को एक बार फिर चाहिए गांधी और टैगोर

आखिरकार बांग्लादेश में अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद युनूस ने मान लिया कि उनके देश में हिंदुओं पर हमले हो रहे हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा कि हिंदुओं पर हमले की वजह सियासी है। चूंकि हिंदू शेख हसीना का समर्थन करते रहे हैं, इसलिए वे हमलावरों के निशाने पर हैं। अब सवाल यही है कि बांग्लादेश में कहां से महात्मा गांधी जैसी कोई शख्सियत आएगी हिंदुओं को बचाने के लिए? गांधी जी नवंबर, 1946 में मौजूदा बांग्लादेश के नोआखली में शांति की बहाली के लिए पहुंचे थे। वह वहां सात हफ्ते तक रहे और वहां से तभी निकले, जब हालात सामान्य हो चुके थे।

आप जानते हैं कि पहले पूर्वी बंगाल में और फिर बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले होना सामान्य बात रही है। वहां हिंदू 1950 में भी निशाने पर थे। तब हिंदुओं के खिलाफ मार-काट बिहार से गए लोगों व स्वयं पुलिस ने की थी। दरअसल, पश्चिम बंगाल सरकार के मुख्य सचिव सुकुमार सेन (वह आगे चलकर भारत के पहले मुख्य चुनाव आयुक्त बने) एक सरकारी प्रतिनिधिमंडल के साथ ढाका में थे। उसी दौरान खून से सने कपड़ों में एक मुस्लिम महिला को ढाका सचिवालय में घुमाते हुए झूठा प्रचार किया गया कि कोलकाता में उसके साथ बलात्कार किया गया। उसी दिन दंगे शुरू हुए और ढाका की हिंदू दुकानें लूट ली गईं। जेवर की दुकानें लूटने में पुलिस अधिकारियों तक ने हिस्सा लिया। पुलिस के हिंदू और बौद्ध सब-इंस्पेक्टर तक मार दिए गए। अधिसंख्य जिलों के हिंदू-बहुल गांवों पर पुलिस के नेतृत्व में सशस्त्र गुंडों ने हमला किया। इस हिंसा के

प्रतिकार में प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री लियाकत अली खान से बात की। चूंकि लियाकत अली खान नेहरू की सरपरस्ती में 1946 में बनी अंतरिम सरकार में मंत्री थे, इसलिए वह तुरंत नई दिल्ली आए। इन दोनों नेताओं ने पाकिस्तान में बचे हुए हिंदुओं और भारत के मुसलमानों की सुरक्षा व समान अधिकारों की गारंटी के लिए नेहरू-लियाकत संधि पर मुहर लगाई। बहरहाल, जब 1950 में पूर्वी पाकिस्तान जल रहा था, तब तक गांधी जी इस संसार से विदा हो चुके थे, इसलिए वहां के हिंदुओं को कोई बचाने वाला सामने नहीं आया।

जेएनयू में प्रोफेसर राकेश बटबयाल ने अपनी किताब कम्युनलिज्म इन बंगाल : फ्रॉम फैमिन टु नोआखली में लिखा है, गांधी जी की नोआखली की शांति-यात्रा का मुस्लिम लीग के मंत्रियों, कार्यकर्ताओं और स्थानीय मौलवियों ने कड़ा विरोध किया था। मुख्यमंत्री हुसैन शाहिद सुहरावर्दी ने तो उनसे नोआखली छोड़ने तक को कह दिया था। बहरहाल, हो सकता है कि मौजूदा पीढ़ी को पता न हो कि बांग्लादेश में 1971 में भी हिंदुओं पर पाकिस्तानी सेना का कहर टूटा था। न्यूयॉर्क टाइम्स ने 29 जून, 1971 की अपनी एक लोमहर्षक रिपोर्ट में पूर्वी पाकिस्तान के शहर फरीदपुर में सेना के आतंक की कहानी बयां की थी। पाकिस्तानी सेना ने फरीदपुर में हिंदुओं की दुकानों पर पीले रंग से 'एच' लिख दिया था, ताकि सेना उनको लूट ले। फरीदपुर शहर ढाका से करीब 85 किलोमीटर दूर है। राजधानी के दिल्ली के लघु बंगाल चितरंजन पार्क में फरीदपुर के कई परिवार आपको मिल जाएंगे। न्यूयॉर्क टाइम्स की रिपोर्ट पर भरोसा करें, तो फरीदपुर के 10,000 हिंदुओं में से अधिकतर की हत्या कर दी गई थी और बचे-खुचे जान बचाकर भारत चले आए थे। इन सबके बावजूद पाकिस्तानी राष्ट्रपति आगा मोहम्मद याह्या खान उन हिंदुओं से वापस लौटने को कह रहे थे, जो भारत चले आए थे। पाकिस्तानी सेना पूर्वी पाकिस्तान से हिंदुओं के सफाये में जुटी थी। अब सवाल यह नहीं है कि जब भारत का बंटवारा हुआ, उस समय पूर्वी पाकिस्तान (वर्तमान बांग्लादेश) में हिंदू वहां की आबादी के 30 से 35 फीसदी थे या इससे अधिक। सवाल यह भी नहीं है कि क्या बांग्लादेश हिंदू-विहीन हो जाएगा, क्योंकि सारे हिंदू तो खत्म नहीं ही होंगे? पर फिलहाल बांग्लादेश को एक गांधी चाहिए, जो वहां पर भाईचारे और मैत्री का संदेश दे सके। अभी बांग्लादेश में हालत इतनी बिगड़ चुकी है कि वहां गुरुदेव रबींद्र नाथ टैगोर के लिखे राष्ट्रगान को बदलने की मांग भी जोर पकड़ रही है।

संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

जिस उच्चतम लक्ष्य के प्रति हम स्वयं को समर्पित कर सकते हैं, वो है मानव एकता।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

...लेकिन मरीजों का इलाज भी जरूरी

कोलकाता में एक प्रशिक्षु चिकित्सक की बलात्कार के बाद हत्या की घटना के खिलाफ चिकित्सकों के आंदोलन का आधार बिल्कुल उचित है। यह भी कहा जा सकता है कि इस मुद्दे पर उभरे जनाक्रोश की वजह से ही सरकारी तंत्र के भीतर कानूनी कार्रवाई को लेकर सजगता देखी जा रही है। मामले की जांच सीबीआइ भी कर रही है और इस मसले पर सुप्रीम कोर्ट भी जरूरी सवाल उठा रहा है, जिसका जवाब देना पश्चिम बंगाल सरकार के लिए भारी पड़ रहा है।

मगर इसका एक पहलू यह भी है कि राज्य में इस घटना के खिलाफ चिकित्सकों का जो विरोध प्रदर्शन शुरू हुआ था, उसके एक महीने से ज्यादा समय से जारी रहने की वजह से सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवा बुरी तरह बाधित हुई है। इस मुद्दे पर सुप्रीम कोर्ट में चल रही सुनवाई के दौरान सोमवार को पश्चिम बंगाल सरकार ने बताया कि चिकित्सकों के विरोध प्रदर्शन की वजह से तेईस मरीजों की जान चली गई।

चिकित्सकों की हड़ताल और उनके आक्रोश के औचित्य को समझना कोई मुश्किल काम नहीं है। मगर अफसोस की बात यह है कि कोलकाता में हुई त्रासद वारदात में आरोपी सहित संदेह के घेरे में आए अन्य जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कार्रवाई के मामले में अनिवार्य सजगता

नहीं दिखाई गई। यही वजह है कि समूचे देश में इस घटना के खिलाफ आक्रोश पैदा हुआ। इसमें देश के अलग-अलग हिस्से में उभरा चिकित्सकों का आंदोलन भी है। यों कुछ समय पहले सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए जब चिकित्सकों से काम पर लौटने को कहा था, तब दिल्ली के कुछ अस्पतालों में डॉक्टरों ने ड्यूटी पर वापस आने की बात कही, मगर पश्चिम बंगाल में चिकित्सकों का आंदोलन अपनी मांगों पर डटा रहा।

सुप्रीम कोर्ट का निर्देश

अब एक बार फिर अस्पतालों में सेवा बाधित होने और उसकी वजह से मरीजों के सामने पैदा होने वाले जोखिम की वजह से सुप्रीम कोर्ट ने चिकित्सकों को ड्यूटी पर लौटने का निर्देश देते हुए कहा कि कामकाज शुरू करने पर उनके खिलाफ कोई विपरीत कार्रवाई नहीं की जाएगी।

यह छिपा नहीं है कि अगर किसी भी वजह से सरकारी अस्पतालों में चिकित्सा सेवा ठप होती है तो इसका सीधा असर वहां आने वाले मरीजों की सेहत पर पड़ता है, जो आमतौर पर गरीब तबकों से आते हैं। ऐसे मरीजों और उनके परिजनों के सामने महंगे निजी अस्पतालों या डाक्टरों के क्लीनिक में जाकर इलाज का खर्च उठाने की सामर्थ्य नहीं होती। वे इलाज के लिए आमतौर पर सरकारी अस्पतालों पर निर्भर होते हैं। ऐसे में चिकित्सकों के ड्यूटी पर नहीं लौटने का खमियाजा उन्हें ही उठाना पड़ रहा है। इस क्रम में राज्य सरकार की ओर से अदालत में बताए गए तेईस मरीजों की मौत के आंकड़े सही हैं, तो यह चिंताजनक है।

समय पर चिकित्सा या अस्पतालों में कामकाज को वैसे भी अनिवार्य सेवाओं के तहत देखा जाता रहा है। प्रशिक्षु चिकित्सक के बलात्कार और उसकी हत्या से सभी लोग दुखी और आक्रोशित हैं। मगर जरूरत इस बात की भी है कि सरकारी अस्पतालों के भरोसे जीवन बचाने की उम्मीद पर टिके मरीजों की मुश्किल के मसले पर भी प्रदर्शनकारी चिकित्सक अपने दायित्व पर विचार करें। इसमें दो राय नहीं कि घटना की जांच, अपराध के साबित होने और दोषी को अधिकतम सख्त सजा मिलने के संदर्भ में कानूनी कार्रवाई के किसी भी पहलू पर अगर सरकार अब कोई ढीला रवैया अख्तियार करती है, तो उसे कठघरे में खड़ा किया जाना चाहिए।

घर के काम करता है ये अनोखा रोबोट

जरा हट के

घरेलू नौकर तो सभी लोग चाहते हैं, लेकिन आज्ञाकारी नौकर जो हर समय आपकी बात मान सके और आपको हमेशा सम्मान और अपनत्व भी देता रहे, कमी लोगों को खूब खलती है. कई लोग कहते हैं कि ऐसा तो शायद केवल रोबोट ही कर सकेंगे. तोक्या आप अपने घर के लिए एक रोबोट चाहते हैं जो घरेलू नौकर की तरह काम करे? नॉर्वे की एक कंपनी ने आपके घर में रहने के लिए डिजाइन किया गया एक बेचैन करने वाला रोबोट लॉन्च किया है.

NEO बीटा एक मानव जैसा रोबोट है जिसकी हरकतें इंसानों जैसी हैं. डेवलपर्स 1X का कहना है कि वे इस साल लोगों के घरों में अपने कई प्रोटोटाइप बॉट लॉन्च करने जा रहे हैं. NEO की एक टीजर क्लिप में दिखाया गया है कि यह एक महिला को बाहर जाने के लिए तैयार होने में मदद करता है, उसे एक बैग देता है और गले लगाता है.

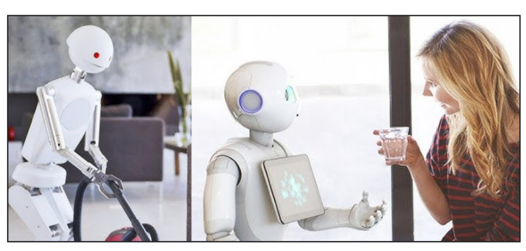

कंपनी का मानना है कि रोबोट घर के कामों में मदद कर सकता है, साथ ही गोदामों, विनिर्माण और सेवा उद्योग में भी काम कर सकता है. 1X के सीईओ बर्न्ट बोर्निच ने कहाः "भविष्य में जब आपके घर पर आपके कपड़े तह करने वाले मानव जैसे लोग होंगे, तो यह आपकी सोच से कहीं ज़्यादा नजदीक है, और इसकी कीमत ज़्यादातर लोगों की कल्पना से कहीं कम होगी. हम इसे अपेक्षाकृत सस्ती कार की कीमत पर बना सकते हैं.

"इस साल, हम शोध और विकास उद्देश्यों के लिए चुनिंदा घरों में सीमित संख्या में NEO इकाइयां तैनात कर रहे हैं." NEO को मॉस, नॉर्वे में कंपनी की फैक्ट्री में बड़े पैमाने पर उत्पादन के लिए डिजाइन किया गया है. 1X ने कहा, "NEO बीटा रोबोटिक्स में एक अहम उन्नति का प्रतिनिधित्व करता है, जो पारंपरिक, कठोर रोबोट से आगे बढ़कर बायो-प्रेरित डिज़ाइन वाले ह्यूमनॉइ* की ओर बढ़ रहा है जो लोगों के बीच सुरक्षित रूप से काम कर सकते हैं."

मलाई या एलोवेरा जेल, क्या है ज्यादा फायदेमंद?

हेल्दी और ग्लोइंग स्किन पाने के लिए लोग तमाम जतन करते हैं। इसके लिए जहां कुछ लोग महंगे फेशियल ट्रीटमेंट लेते हैं और महंगे-महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं, तो वहीं कुछ घर पर ही कई तरह की नेचुरल रेमेडीज यानी घरेलू नुस्खे अपनाते हैं। इन नुस्खों में मलाई और एलोवेरा जेल का इस्तेमाल सबसे आम है। अधिकतर लोग हेल्दी और ग्लोइंग स्किन के लिए चेहरे पर मलाई और एलोवेरा जेल लगाना पसंद करते हैं। आपने अपनी दादी-नानी को भी ऐसा करने की सलाह देते हुए सुना होगा, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इनमें से भी किसका इस्तेमाल ज्यादा फायदेमंद है? अगर नहीं तो यहां हम आपको इसी के बारे में बता रहे हैं-

■ चेहरे पर मलाई लगाने से क्या होता है?

सबसे पहले बात मलाई की करें, तो ये पूरी तरह से नेचुरल होती है और इसे शुद्ध और नॉन-होमोजेनाइज्ड दूध को 180 डिग्री सेल्सियस पर उबालकर तैयार किया जाता है। उबलने की प्रक्रिया के दौरान दूध के ऊपर प्रोटीन और फैट की एक परत जमा होने लगती है, इसे ही मलाई कहा जाता है। वहीं, बात स्किन पर मलाई के फायदों की करें, तो इसका इस्तेमाल प्राकृतिक क्लींजर के रूप में किया जाता है। दरअसल, चेहरे पर मलाई लगाने से स्किन को साफ, ब्राइट और ग्लोइंग बनाने में मदद मिल सकती है। मलाई स्किन पर नमी को बनाए रखती है, ये स्किन को मॉइस्चराइज रखती है, जिससे भी आपकी त्वचा हेल्दी नजर आती है। इसके अलावा मलाई स्किन पर नेचुरल एक्सफोलिएंट की तरह भी काम कर डेड स्किन सेल्स का सफाया करने में असर दिखा सकती है।

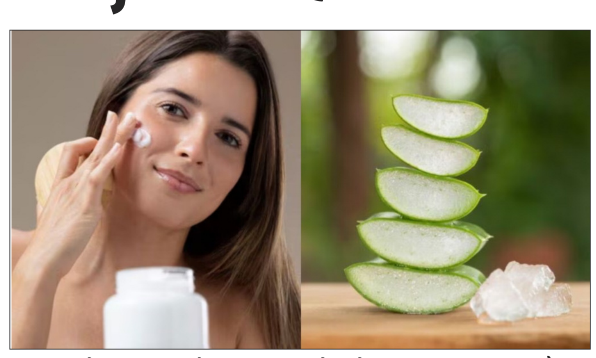

■ चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाने से क्या होता है?

दूसरी ओर चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाने से भी आपको एक साथ कई फायदे मिल सकते हैं। एलोवेरा जेल में विटामिन ई, ए, सी और बी 12 के साथ-साथ एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण भी होते हैं, जो स्किन के लिए बेहद फायदेमंद माने जाते हैं। ये कोलेजन को बूस्ट कर एजिंग के लक्षणों को कम करने में असर दिखा सकते हैं। ऐसे में अगर आपके चेहरे पर रिंकल्स और फाइन लाइंस हैं, तो एलोवेरा जेल लगाना आपके लिए फायदेमंद हो सकता है।

इसके अलावा एलोवेरा जेल भी त्वचा में नमी को बनाए रखता है, साथ ही स्किन को मॉइस्चराइज करने में सहायता करता है।

जैसा कि ऊपर जिक्र किया गया है, स्किन पर मलाई और एलोवेरा जेल लगाने के अपने-अपने अलग फायदे हैं। ऐसे में दोनों का इस्तेमाल ही अच्छा हो सकता है। हालांकि, अगर आपकी स्किन ऑयली है या कॉम्बिनेशन स्किन टाइप है, तो एलोवेरा जेल का इस्तेमाल आपके लिए अधिक फायदेमंद हो सकता है।

एलोवेरा जेल का टैक्चर लाइट होता है, जिसके चलते ये स्किन में जल्दी एब्जॉर्ब हो जाता है। दूसरी ओर, मलाई की बनावट हल्की भारी होती है, जिसके कारण यह त्वचा पर मोटी लेयर बना लेती है या अधिक चिपचिपी महसूस होती है। साथ ही ये त्वचा पर ज्यादा धूल-मिट्टी और ऑयल को एब्जॉर्ब कर सकती है। ऐसे में एलोवेरा जेल का इस्तेमाल ज्यादा फायदेमंद हो सकता है।

पोहे का स्पंजी डोसा

ब्रेकफास्ट में डोसा तो बहुत सारे लोगों को पसंद आता है. लेकिन हर बार वहीं क्रिस्पी डोसा खाकर बोर हो चुकी हैं. तो इस बार महाराष्ट्र और बंगलुरू का फेमस सेट डोसा बनाकर खाएं और खिलाएं. सेट डोसा को स्पंज डोसा भी कहते हैं. इसे बनाना बहुत आसान है..

■ सामग्री

- दो कप चावल
- आधा कप पोहा
- एक चम्मच मेथी दाना
- दो कप दही
- नमक स्वादानुसार
- घी पकाने के लिए
- नारियल की चटनी सर्व करने के लिए

■ रेसिपी

सबसे पहले चावल को अच्छी तरह से धोकर भिगो दें. अगर रात में चावल भिगोना भूल गए हैं तो सुबह एक से दो घंटे के लिए गुनगुने पानी में चावलों को भिगो दें. साथ ही इसमे मेथी के दाने भी डाल दें.

पोहे को अच्छी तरह से धोकर रख दें. जिससे कि ये भी हल्का फूल जाए. करीब दो घंटे भीगने के बाद चावल को मिक्सर जार में ट्रांसफर करें. साथ ही मेथी दाने को भी मिक्स कर लें. थोड़ा सा पानी डालकर गाढ़ा पेस्ट तैयार कर लें.

अब पोहे को भी थोड़ा सा पेस्ट डालकर पीस लें और दोनों पेस्ट को मिलाकर ब्लेंड कर लें.

किसी बड़े बाउल में तैयार पेस्ट को निकालें और स्वादानुसार नमक डाल दें. नॉनस्टिक या कास्ट आयरन तवे को गर्म करें. थोड़ा सा देसी घी डालकर कपड़े की मदद से पोंछे. जिससे कि तवा घी की मदद से चिकना हो जाए और बैटर तवे पर चिपके नहीं. गर्म तवे पर बैटर को डालें और क्लॉकवाइज घुमाएं. ध्यान रहे इसके थोड़ा सा घुमाना है जिससे कि ये मोटा रहे. तभी स्पंजी और सॉफ्ट बनकर तैयार होगा. थोड़ा सा घी ऊपर डालें और पकने दें. जब एक तरफ पककर छोड़ने लगे तो इसे पलट कर दोनों तरफ से पका लें. बस रेडी है सॉफ्ट, स्पंजी डोसा, इसे नारियल की चटनी के साथ गर्मागर्म ब्रेकफास्ट में सर्व करें.

दांतों से पीली परत कैसे हटाएं?

इस्तेमाल करें त्रिफला और अमरूद के पत्ते से बना ये मंजन

समय के साथ दांत पीले पड़ने लगते हैं। इस पर तेल मसाले और गंदगी की पीली परत चढ़ने लगती है। अगर आप समय से अपने मसूड़ों के साफ न करें तो ये आपकी मुस्कुराहट खराब कर सकती है। ऐसे में आप दांतों की पीली परत साफ करने के लिए इस हर्बल मंजन का इस्तेमाल कर सकते हैं जो कि इस स्थिति में बेहद कारगर तरीके से काम कर सकती है। इससे आपके दांत चमक सकते हैं और कई सारी ओरल समस्याओं से छुटकारा मिल सकता है। तो आइए जानते हैं दांतों की पीली परत को साफ कैसे करें।

त्रिफला और अमरूद के पत्ते से मंजन कैसे बनाएं

- अमरूद की पत्तियों को पीसकर इसका पाउडर बना लें।
- इसी तरह लौंग को पीसकर इसका पाउडर बना लें।
- अब आपको करना ये है कि अमरूद के पत्ते के पाउडर में लौंग का पाउडर, सेंधा नमक मिलाएं और फिर त्रिफला पाउडर मिलाएं।
- इन सभी सामग्रियों को अच्छी तरह से एक साथ मिला लें और इस पाउडर का उपयोग दांत साफ करने के लिए करें।
- रोजाना दिन में 2 बार इससे अपने दांत साफ करें।
- आप इसका इस्केमाल गरारे करने और कुल्ला करने के लिए भी कर सकते हैं।

त्रिफला दांतों के स्वास्थ्य को कई तरह से फायदा पहुंचा सकता है। त्रिफला में रोगाणुरोधी और सूजन-रोधी गुण होते हैं जो प्लाक जमने से रोकने में मदद कर सकते हैं, जो कैविटीज़ और मसूड़ों की सूजन का कारण बनते हैं। अमरूद की पत्ती एंटीबैक्टीरियल होने के साथ पूरे मुंह को साफ करने का काम कर सकती है।

लौंग की बात करें तो लौंग एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों से भरपूर है जो कैविटी, दांत दर्द, दांतों की सड़न, सांसों की दुर्गंध से लड़ने में मदद कर सकता है। यह दांतों की सभी समस्याओं के लिए भी अच्छा है। अंत में सेंधा नमक में ऐसे खनिज होते हैं जो दांतों के इनेमल को मजबूत करते हैं, बैक्टीरिया के कारण होने वाले पीले दांतों को रोकते हैं। इस प्रकार से ये मंजन दांतों की सफाई के लिए बेहद कारगर तरीके से मददगार है।

वॉर्डरोब में नमी के कारण कपड़ों से आती है बदबू?

नमी को दूर करने के लिए सबसे पहले वॉर्डरोब की अच्छी तरह सफाई करें। इसके लिए सभी कपड़ों को बाहर निकाल लें, साफ-सफाई करें और कुछ देर के लिए वॉर्डरोब के दरवाजों को खुला छोड़ दें। इस दौरान कमरे में डीह्यूमिडिफायर को भी खुला छोड़ दें। इससे अलमारी के अंदर की नमी दूर होने लगेगी। आप चाहें तो दिनभर के लिए इस तरीके को अपना सकते हैं।

रबिंग अल्कोहल : अगर नमी के कारण वॉर्डरोब में जगह-जगह फंगस यानी फफूंद लग गई है, तो इससे निजात पाने के लिए किसी कपड़े की मदद से उस जगह पर रबिंग अल्कोहल लगाएं। इससे फफूंद खत्म हो जाएगी।

गीले कपड़े : गीले कपड़े वॉर्डरोब में नमी और फंगस लगने का सबसे बड़ा कारण हो सकते हैं। ऐसे में कपड़ों को पूरी तरह सुखाकर ही अलमारी के अंदर रखें।

सिलिका जेल : वॉर्डरोब से नमी खत्म करने के लिए आप इसमें सिलिका जेल के पैकेट्स रख सकते हैं। ये पैकेट्स आपको बाजार में आसानी से मिल जाएंगे। इन्हें जगह-जगह वॉर्डरोब में रखें। सिलिका जेल एक प्राकृतिक नमी अवशोषक की तरह काम करता है। इससे नमी तो खत्म होगी ही साथ ही कपड़ों में बदबू की समस्या भी नहीं होगी।

कपूर : इन सब से अलग आप नमी और इसके कारण होने वाली बदबू को दूर करने के लिए कपूर का इस्तेमाल भी कर सकते हैं। इसके लिए वॉर्डरोब में अलग-अलग कोनों में किसी सूती कपड़े में कपूर बांधकर रख दें। इससे अलग गंध अधिक होने पर आप वॉर्डरोब की खिड़कियों को खोलकर कमरे में कपूर को जलाकर भी रख सकते हैं। कपूर की तेज महक बदबू को कम करने में असर दिखा सकती है।

लेख में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

आज का राशिफल

मेष : आज व्यापार में पार्टनर से मतभेद समाप्त होगा। नौकरी में अधिकारी का सहयोग तथा विश्वास मिलेगा। पारिवारिक व्यस्तता रहेगी। स्थानीय धर्मस्थल की परिवार के साथ यात्रा होगी। आकस्मिक व्यय से तनाव रहेगा। अपेक्षाकृत कार्यों में विलंब होगा। विवेक से कार्य करें।

वृषभ : धन लाभ के अवसर प्राप्त होंगे। नौकरी में कार्य व्यवहार, ईमानदारी की प्रशंसा होगी। मशक्कत करने से लाभ होगा। शत्रु भय रहेगा। व्यापार-व्यवसाय में ग्राहकी अच्छी रहेगी। चिंता होगी। शत्रु पराजित होंगे। लेनदारी वसूल होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मिथुन : आज कार्य में सफलता मिलेगी। शत्रु पराजित होंगे। विवेक से कार्य बनेंगे। कारोबारी नए अनुबंध होंगे। नई योजना बनेगी। मान-सम्मान मिलेगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। स्त्री कष्ट संभव। कलह से बचें। पेट रोग से पीड़ित होने की संभावना। वस्त्राभूषण की प्राप्ति के योग।

कर्क : आज देव दर्शन का लाभ प्राप्त करेंगे। राज्य से लाभ होने की संभावना। मातृ पक्ष की चिंता। वाहन-मशीनरी का प्रयोग सावधानी से करें। धनागम की संभावना। मित्र मिलेंगे। विवाद न करें। यात्रा सफल रहेगी। विवाद न करें। लेन-देन में सावधानी रखें। कानूनी बाधा दूर होगी।

सिंह : आज आपको व्यापार में आगे बढ़ने के मार्ग मिलने की संभावना। शत्रु पराजित होंगे। लाभ होगा। स्वास्थ्य ठीक होगा। अनजाना भय सताएगा। राज्य से लाभ। शत्रु शांत होंगे। प्रेम-प्रसंग में जोखिम न लें। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। झंझटों में न पड़ें।

कन्या : आज धनलाभ होगा। बुद्धिपूर्वक कार्य करने से नौकरी में लाभ होगा। शत्रु से परेशान होंगे। अपमान होने की संभावना। कष्ट की संभावना। धनहानि। कष्ट-पीड़ा। शारीरिक पीड़ा होगी। बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। जीवनसाथी से सहयोग मिलेगा।

तुला : आज भूमि-भवन खरीदी संबंधी योजना बनेगी। नौकरी में उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। धनागम सुस्त रहेगा। कार्य के प्रति अनमनापन रहेगा। दुःखद समाचार प्राप्त हो सकता है। कुछ लाभ की संभावना। चिंताएं कुछ कम होंगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। भागदौड़ रहेगी।

वृश्चिक : आज परिवारसहित पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा। व्यापार में लाभ तथा पराक्रम ठीक बना रहेगा। रिश्तेदारी में दुःखद समाचार प्राप्त होंगे। मन में हानि तथा भय की संभावना बनी रहेगी। पराक्रम से सफलता तो मिलेगी, बाहरी क्षेत्र से कलहकारी वातावरण बनेगा।

धनु : आज धनागम सुखद रहेगा। प्रेम संबंधों में सफलता मिलेगी। कुछ अतिरिक्त आय होगी। माता को कष्ट रहेगा। भय, पीड़ा व भ्रम की स्थिति बन सकती है। व्यर्थ भागदौड़ होगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। शत्रु पर विजय, हर्ष के समाचार मिलने की संभावना।

मकर : व्यापारिक प्रयास सफल रहेंगे। यात्रा के योग बनेंगे। कुछ कष्ट होने की संभावना। लाभ के योग बनेंगे। स्त्री वर्ग को कष्ट। कुसंग से कष्ट होगा। परिवार में कलहकारक दिन रहेगा। अपनी तरफ से बात को बढ़ावा न दें। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी।

कुंभ : आज शुभ समाचार प्राप्त होंगे। पुराने मित्र व संबंधी मिलेंगे। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। आय में वृद्धि होगी। विरोध बढ़ने की संभावना है। धनहानि, गृहस्थी में कलह के योग। बीमारी से ग्रसित होने की संभावना है। नौकरीपेशा को कार्यसिद्धि की संभावना बन रही है।

मीन : व्यापार में आज संभावित यात्रा होगी। बाहर जाते समय सावधानी बरतना होगी। रोजगार में वृद्धि होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। परिवार की चिंता रहेगी। लाभ होगा। अस्वस्थता का अनुभव करेंगे। चिंता से मुक्ति नहीं मिलेगी। शत्रु दबे रहेंगे।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

खबरें गांव की...

SIT ने भाजपा नेता शेर अली जाफरी समेत 2 को किया गिरफ्तार, बांट रहा था फर्जी डिग्री

बरेली. बरेली में सीबीगंज पुलिस और एसआईटी ने फर्जीवाड़े के आरोपी खुसरो मैमोरियल पीजी कॉलेज के चेयरमैन शेर अली जाफरी और उसके बेटे को बुधवार को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को एसआईटी ने खुसरो कॉलेज से दबोचा। जिला अस्पताल में बाप-बेटे का मेडिकल कराने के बाद पुलिस ने उन्हें कोर्ट में पेश किया। आरोप है कि खुसरो कालेज में सत्र 2019-2020 से बिना मान्यता के ही यह कॉलेज बी फार्मा, डी फार्मा और पैरामेडिकल कोर्स में एडमिशन लेकर छात्रों से ठगी कर उन्हें फर्जी डिग्री बांट रहा था। इस मामले में जीटीआई के प्रधानाचार्य नरेंद्र कुमार ने थाना सीबीगंज में कॉलेज के चेयरमैन एवं भाजपा नेता शेर अली जाफरी, कथित प्रधानाचार्य विश्वनाथ शर्मा और आस्था कंसल्टेंसी के प्रोपराइटर डॉ. विजय शर्मा पर रिपोर्ट दर्ज कराई थी। एसएसपी ने मामले को संज्ञान में लेते हुए इस मामले की जांच एसआईटी को दी।

रेप केस करवाने वाले अधिवक्ता पर केस दर्ज,

मुरादाबाद. मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र निवासी अधिवक्ता ने चंदौसी में रहने वाले बदायूं निवासी एक अधिवक्ता के खिलाफ मझोला थाने में केस दर्ज कराया है। जिसमें रेप का झूठा वाद दायर करके रुपये हड़पने, रंगदारी मांगने और बेटे को जान से मारने की धमकी का आरोप लगाया है। इस मामले में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। रेप केस फर्जी बताया जा रहा है। रेप केस बंद करवाने के लिए पैसे हड़पे जा रहे थे। थाना मझोला के बुद्धिविहार निवासी अधिवक्ता बिजेंद्र सिंह की तहरीर पर मझोला पुलिस ने संभल के चंदौसी थाना क्षेत्र के विकासनगर मौलागढ़ की पुलिया निवासी नीतेश अरुण के खिलाफ केस दर्ज किया है। दर्ज रिपोर्ट में बिजेंद्र सिंह ने बताया कि नीतेश अरुण मूल रूप से बदायूं जिले क कोतवाली क्षेत्र के मौहर शिवपुरी का रहनेवाला है। वह चंदौसी में वकालत करता है। आरोप लगाया कि नीतेश ने चंदौसी सीजेएम कोर्ट में अपनी रिश्ते की साली से 26 फरवरी 2024 को रेप का झूठा वाद दायर करा दिया। कॉल रिसीव करते ही उसने तीन हजार रुपये की मांग की।

रील बनाने के चक्कर में खत्म हुआ पूरा परिवार, पति-पत्नी और बेटे की ट्रेन से कटकर मौत

सीतापुर. लखनऊ-पीलीभीत रेलप्रखंड पर बुधवार सुबह ट्रेन से कटकर पति-पत्नी और तीन साल के बच्चे की मौत हो गई। पुलिस व प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, पति-पत्नी अपने तीन साल के बेटे को साथ लेकर रेलवे ट्रैक के पास रील बना रहे थे। इस बीच लखनऊ की ओर से आ रही ट्रेन की चपेट में तीनों आ गए और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले सीतापुर जिला के लहरपुर कस्बे के निवासी थे। मामले की जानकारी होने पर तमाम लोगों की मौके पर भीड़ लग गई। बुधवार को ओयल स्टेशन के पास निकली बड़ी नहर के पास यह हादसा हुआ। सीतापुर जिला के लहरपुर कस्बे के मोहल्ला शेख सराय रहने वाला 30 वर्षीय अहमद अपनी 25 वर्षीय पत्नी नाजनीन व 3 साल के बेटे अकरम के साथ एक दिन पहले रिश्तेदारी में आया था। बुधवार को तीनों टहलने के लिए रेलवे ट्रैक के किनारे पहुंच गए। एएसपी पवन गौतम ने बताया कि प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पति-पत्नी बेटे को साथ लेकर रील बना रहे थे, इस बीच लखनऊ- पीलीभीत पैसेंजर की चपेट में आ गए। तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे का पता चला तो ओयल चौकी पुलिस और आरपीएफ मौके पर पहुंची। शव, पटरी से हटाए गए। इसके बाद ट्रेन आगे बढ़ी।

ममता बनर्जी से बातचीत करने को तैयार प्रदर्शनकारी डॉक्टर्स

कोलकाता. कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पिटल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ हुए रेप और मर्डर केस के एक महीने के बाद भी विरोध प्रदर्शन जारी है। इस बीच कोलकाता में डॉक्टर्स पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से बातचीत करने के लिए तैयार हो गए हैं। प्रदर्शन कर रहे डॉक्टरों ने ममता बनर्जी से मुलाकात करने के लिए समय मांगा है। हालांकि, बैठक का लाइव प्रसारण करने की शर्त रखी है।

एक डॉक्टर ने बताया कि अपने मेल में डॉक्टरों ने कहा कि वे किसी भी समय और कहीं भी बैठक के लिए तैयार हैं, बशर्ते कि पूरी चर्चा का सीधा प्रसारण किया जाए। एक जूनियर डॉक्टर ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, "हमने मुख्यमंत्री को बैठक के लिए पत्र लिखा है, जो आज या कल कभी भी और उनकी पसंद के अनुसार कहीं भी आयोजित की जा सकती है। लेकिन, बैठक का सीधा प्रसारण किया जाना चाहिए।"

लंबे समय से डॉक्टर्स कोलकाता में स्वास्थ्य भवन, राज्य सचिवालय के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। डॉक्टर्स की मांग है कि 9 अगस्त को ट्रेनी डॉक्टर्स के साथ हुए रेप और मर्डर केस के आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई हो। इसके साथ ही, स्वास्थ्य सचिव समेत, कोलकाता पुलिस कमिश्नर आदि के इस्तीफे की भी मांग की गई है।

पश्चिम बंगाल में प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टरों ने 10 सितंबर की शाम तक काम पर लौटने के सुप्रीम कोर्ट के निर्देश की अवहेलना करते हुए बुधवार को 33 वें दिन भी हड़ताल जारी रखी। प्रदर्शनकारी चिकित्सक पिछले महीने एक सरकारी अस्पताल में कथित तौर पर दुष्कर्म और हत्या की शिकार एक चिकित्सक को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने सोमवार को प्रदर्शनकारी 'रेजिडेंट डॉक्टरों' को मंगलवार शाम पांच बजे तक काम पर लौटने का निर्देश देते हुए कहा था कि काम पर लौटने पर उनके खिलाफ कोई प्रतिकूल कार्रवाई नहीं की जाएगी।

अदालत ने यह निर्देश तब दिया जब पश्चिम बंगाल सरकार ने उसे आश्वासन दिया कि काम पर लौटने पर प्रदर्शनकारी चिकित्सकों के खिलाफ दंडात्मक तबादलों सहित कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी। राज्य सरकार ने कहा कि उसने प्रदर्शनकारियों को पत्र लिखकर घटना पर गतिरोध को सुलझाने के लिए राज्य सचिवालय नबन्ना में एक बैठक के लिए आमंत्रित किया है। हालांकि, प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने कहा कि बैठक के लिए पत्र राज्य के स्वास्थ्य सचिव का था, जिनका वे इस्तीफा मांग रहे थे और उन्होंने इसे अपमानजनक बताया।

कमला हैरिस जीतीं प्रेसिडेंशियल डिबेट

- 5 सर्वे में उन्हें बेहतर माना
- ट्रम्प ने पर्सनल अटैक किए, वे मुस्कुराकर जवाब देती रहीं

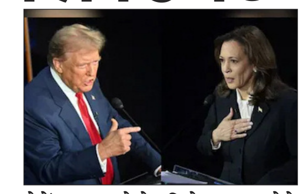

वाशिंगटन. अमेरिका में राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रम्प और भारतवंशी कमला हैरिस के बीच बुधवार (11 सितंबर) को प्रेसिडेंशियल डिबेट हुई। दोनों ने 90 मिनट बहस की। डिबेट शुरू होने से पहले कमला ट्रम्प के पोडियम तक पहुंचीं और उनसे हाथ मिलाया।

डिबेट में ट्रम्प ने कमला पर पर्सनल अटैक किए। उन्हों कहा, कमला वामपंथी हैं, उनके पिता कम्युनिस्ट हैं। उन्होंने कमला को अच्छे से वामपंथ सिखाया है। कमला क्या हैं इससे मुझे फर्क नहीं पड़ता पर मैंने कहीं पढ़ा था कि वे अश्वेत नहीं है। ट्रम्प के इन आरोपों पर कमला ने कुछ नहीं कहा, बस मुस्कुराती रहीं।

डिबेट में कमला 37 मिनट 36 सेकेंड जबकि ट्रम्प 42 मिनट 52 सेकेंड तक बोले। डिबेट खत्म होने के बाद दोनों बिना हाथ मिलाए लौट गए। अमेरिका के 4 मीडिया हाउस (न्यूयॉर्क टाइम्स, CNN, वॉशिंगटन पोस्ट) और BBC के सर्वे में कमला को विजेता माना गया है। लोगों ने कहा कि कमला ने सवालों का बेहतर जवाब दिया।

ट्रम्प और कमला के बीच इस चुनाव में यह पहली डिबेट थी। कमला ने पहली बार राष्ट्रपति चुनाव की बहस में हिस्सा लिया, जबकि ट्रम्प 2016 से 24 तक 6 बार डिबेट में हिस्सा ले चुके हैं।

इस चुनाव में 27 जून को पहली प्रेसिडेंशियल डिबेट ट्रम्प और बाइडेन के बीच हुई थी। बाइडेन हार गए थे, जिसके बाद उन्होंने राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी छोड़ दी थी। इसके बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने कमला हैरिस को उम्मीदवार बनाया था।

'20 सीटें और मिल जातीं तो 400 पार वाले जेल में होते'

- इसी लायक हैं: मल्लिकार्जुन खरगे

अनंतनाग. जम्मू-कश्मीर के अनंतनाग में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि यदि लोकसभा चुनाव में हम 20 सीटें और जीत जाते तो 400 पार का नारा देने वाले जेल में होते। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर बिना नाम लिए ही निशाना साधते हुए कहा कि ये लोग ईडी और सीबीआई के जरिए हमें डराते हैं, लेकिन गठबंधन वाले डरते नहीं हैं। यह सरकार तो टूटी-फूटी है। इसे एक पैर नीतीश कुमार ने दी और दूसरी टीडीपी ने दी है। पहले ये लोग इस बार 400 पार की बात करते थे। कहां गए भाई तेरे 400 पार। 240 पर आ गए। यदि हम सिर्फ 20 सीट और लेते तो ये सब लोग जेल में होते और ये लोग जेल में ही रहने के काबिल हैं। मैं यही कहूंगा कि आप निराश न हों और आपके सरदार मजबूत हैं। कोई डरने वाला नहीं है।

कर्नाटक में है कुछ बड़ा होने के आसार?

- US में मिले राहुल गांधी और डीके शिवकुमार

MUDA मामले को लेकर कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया नेतृत्व को बदलने की अटकलें जारी हैं। हालांकि, इसे लेकर कांग्रेस की ओर से आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। इसी बीच राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष और सांसद राहुल गांधी की अमेरिका में मुलाकात ने चर्चाएं तेज कर दी हैं।

कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी से मुलाकात की है, जिससे पार्टी के भविष्य के नेतृत्व को लेकर नई अटकलें पैदा हो गई हैं। शिवकुमार ने अमेरिका की अपनी निजी यात्रा के दौरान गांधी से मुलाकात की है। यह मुलाकात ऐसे महत्वपूर्ण समय पर हुई है जब कांग्रेस अपनी बढ़ती महत्वाकांक्षाओं और भ्रष्टाचार के आरोपों के बीच कर्नाटक इकाई को एकजुट रखने के लिए संघर्ष कर रही है।

शिवकुमार ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के साथ अपनी बैठक की तस्वीरें साझा की और 'एक्स' पर लिखा, 'अपनी पत्नी ऊषा के साथ वाशिंगटन डी.सी. में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिलकर बहुत अच्छा लगा।' अमेरिका में गांधी से अनौपचारिक मुलाकात को लेकर, पार्टी के ही कुछ लोग शिवकुमार की सोची समझी चाल के रूप में देख रहे हैं। कर्नाटक में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के नेतृत्व को लेकर बढ़ती अनिश्चितता के बीच प्रमुख गुट सत्ता के लिए संघर्ष कर रहे हैं। मैसूर शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले को लेकर विवाद तथा सिद्दारमैया की याचिका पर उच्च न्यायालय की जारी सुनवाई से स्थिति और जटिल हो गई है, जिसमें उनके खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए राज्यपाल की मंजूरी को चुनौती दी गई है।

CM पद की इच्छा रखने वालों को चेतावनी दें राहुल: कांग्रेस नेताओं का पत्र

कांग्रेस नेताओं के एक समूह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी को पत्र लिखकर उनसे पार्टी के उन नेताओं और राज्य के मंत्रियों को चेतावनी देने को कहा है जो कर्नाटक में नेतृत्व परिवर्तन की स्थिति में मुख्यमंत्री पद की आकांक्षा रखे हुए हैं। पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में वर्तमान एवं पूर्व सांसद तथा कुछ पूर्व मंत्री शामिल हैं। उन्होंने गांधी से इस बारे में भी निर्देश जारी करने का आग्रह किया कि वे कांग्रेस और कर्नाटक के हित को ध्यान में रखते हुए भविष्य में कोई हानिकारक बयान न दें।

'आरक्षण पर असली चेहरा दिखा दिया'

- राहुल गांधी के US से आए बयान पर खूब बरसे अमित शाह

नई दिल्ली. अमेरिका में आरक्षण को लेकर दिए राहुल गांधी के एक बयान ने भारत की राजनीति में हलचल पैदा कर दी है। राहुल गांधी ने कोटा पर एक सवाल के जवाब में कहा था कि अभी आरक्षण को खत्म करने का सही समय नहीं आया है। उनके इस जवाब को लेकर विवाद पैदा हो गया है और अब होम मिनिस्टर अमित शाह ने उन पर तीखा हमला बोला है। अमित शाह ने कहा, 'आरक्षण समाप्त करने की बात करके राहुल गांधी एक बार फिर कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा सामने लाए हैं। राहुल का बयान क्षेत्रवाद, धर्म और भाषा के आधार पर दरार पैदा करने की कांग्रेस की राजनीति को उजागर करता है।'

गृह मंत्री ने विस्तार से अपनी राय एक्स पर लिखी है। उन्होंने लिखा, 'देशविरोधी बातें करना और देश को तोड़ने वाली ताकतों के साथ खड़े होना राहुल गाँधी और कांग्रेस पार्टी की आदत सी बन गई है। चाहे जम्मू-कश्मीर में JKNC के देशविरोधी और आरक्षण विरोधी एजेंडे का समर्थन करना हो, या फिर विदेशी मंचों पर भारत विरोधी बातें करनी हो, राहुल गाँधी ने देश की सुरक्षा और भावना को हमेशा आहत किया है। भाषा से भाषा, क्षेत्र से क्षेत्र और धर्म से धर्म में भेदभाव लाने की बात करना राहुल गाँधी की विभाजनकारी सोच को दर्शाता है।'

इसके आगे वह लिखते हैं, 'राहुल गांधी ने देश से आरक्षण को समाप्त करने की बात कह कर कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा एक बार फिर से देश के सामने लाने का काम किया है। मन में पड़े विचार और सोच किसी न किसी माध्यम से बाहर आ ही जाते हैं। मैं राहुल गाँधी को बताना चाहता हूँ कि जब तक भाजपा है, आरक्षण को कोई छू भी नहीं सकता और देश की एकता के साथ कोई खिलवाड़ नहीं कर सकता।'

भेड़िए के हमले में 2 बालिकाएं फिर घायल

बहराइच. यूपी के बहराइच में महसी तहसील इलाके में भेड़ियों के हमले रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। एक तरफ वन विभाग भेड़ियों को पकड़ रहा है, तो दूसरी तरफ खूनी भेड़िए हमले कर अपनी उपस्थिति दर्ज करा रहे हैं। इसलिए ग्रामीणों में दहशत कम होने का नाम नहीं ले रही है।

दो अलग- अलग गांवों में मंगलवार की रात भेड़िए ने दो बालिकाओं पर हमला कर घायल किया। जिसमें एक को तो कुछ दूर तक खींच ले गया। दोनों घायलों को सीएचसी में भर्ती कराया गया। यहां हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है।

एक दिन शादी नहीं चली और देने पड़े 50 लाख!

दहेज उत्पीड़न कानून पर SC ने जताई चिंता

नई दिल्ली. दहेज उत्पीड़न और घरेलू हिंसा के मामलों से निपटने वाला सेक्शन 498A देश में सबसे ज्यादा दुरुपयोग किए जाने वाला कानून है। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को यह बात कही। जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस प्रशांत कुमार मिश्र और जस्टिस केवी विश्वनाथन की बेंच ने एक वैवाहिक मामले में विवाद की सुनवाई करते हुए यह बात कही। जस्टिस गवई ने गुजारा भत्ते पर सुनवाई करते हुए कहा कि ऐसे मामलों में आजादी पाना ही सबसे अच्छी चीज है। जस्टिस गवई ने एक केस को भी याद किया।

उन्होंने कहा कि एक मामला ऐसा भी आया था, जब पति एक दिन भी पत्नी के साथ नहीं रहा। लेकिन जब वे अलग हुए तो 50 लाख रुपये की रकम उसे पत्नी को देनी पड़ी। जस्टिस गवई ने कहा, 'मैंने नागपुर में एक केस देखा था। उस मामले में युवक अमेरिका जाकर बस गया। उसकी शादी एक दिन भी नहीं चल पाई, लेकिन पत्नी को केस चलने पर 50 लाख रुपये की रकम देनी पड़ गई। मैं तो खुलकर कहता रहा हूं कि घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न के कानून का सबसे ज्यादा गलत इस्तेमाल होता है। मेरी बात से शायद आप लोग सहमत होंगे।'

सेक्शन 498A को लेकर लंबे समय से चर्चा रही है। इस कानून के आलोचकों का कहना रहा है कि अकसर महिला के परिवार वाले इस कानून का बेजा इस्तेमाल करते हैं। रिश्ते खराब होने पर पति और उसके परिवार वालों को फंसाने की धमकी दी जाती है।

साबले पहली बार डायमंड लीग फाइनल खेलेंगे

- 4 टॉप रैंक खिलाड़ियों के हटने से क्वालिफाई किया
- 13 सितंबर को इवेंट होगा

भारत के मिडिल डिस्टेंस रनर अविनाश साबले पहली बार डायमंड लीग फाइनल में हिस्सा लेंगे। वे इस लीग के फाइनल में जगह बनाने वाले दूसरे भारतीय हैं। उनसे पहले नीरज चोपड़ा इस इवेंट में हिस्सा ले चुके हैं। 29 साल के अविनाश 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट में भारतीय चुनौती पेश करेंगे। उनका इवेंट शुक्रवार, 13 सितंबर को होगा। साबले ने इस सीजन में डायमंड लीग के 5 में से 2 इवेंट में हिस्सा लिया है और टेबल में 3 अंक के साथ तालिका में 14वें स्थान पर थे। लेकिन, उनसे ज्यादा रैंकिंग वाले 4 एथलीट्स ने नाम वापस ले लिया। इससे साबले 12 खिलाड़ियों वाले फाइनल के लिए क्वालिफाई हो गए। स्टार जेवलिन थ्रोअर नीरज इस सीजन के फाइनल के लिए पहले ही क्वालिफाई कर चुके हैं।

2 दिनी डायमंड लीग फाइनल का आयोजन ब्रसेल्स में होने जा रहा है। इसे जीतने वाले एथलीट को प्रतिष्ठित डायमंड ट्रॉफी, 30,000 डॉलर की इनामी पुरस्कार राशि और वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप की वाइल्ड कार्ड एंट्री का कार्ड मिलता है। जबकि उपविजेता को 12,000 डॉलर और 8वें स्थान पर रहने वाले को 1000 अमेरिकी डॉलर मिलते हैं।

इस सीजन में डायमंड लीग के 14 इवेंट में से 5 में पुरुषों का 3000 मीटर स्टीपलचेज इवेंट था। साबले ने 7 जुलाई को डायमंड लीग के पेरिस चरण में 8:09.91 मिनट के समय के साथ छठा स्थान हासिल किया था। उन्होंने अपने ही नेशनल रिकॉर्ड में सुधार किया। वे 25 अगस्त को सिलेसिया चरण में 14वें स्थान (8:29.96 मिनट) पर थे।

70+ के सभी लोगों को मिलेगा आयुष्मान योजना का लाभ

नई दिल्ली. केंद्र सरकार ने बुधवार को बड़ा ऐलान किया। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया कि अब 70 साल से ऊपर के सभी लोग आयुष्मान भारत पीएम जनआरोग्य योजना में शामिल होंगे। मोदी कैबिनेट ने इस फैसले को मंजूरी दे दी है। लोकसभा चुनाव से पहले जारी भाजपा घोषणापत्र में ये बात कही गई थी। सरकार के मुताबिक, 6 करोड़ सीनियर सिटिजंस को 5 लाख तक का इलाज मुफ्त मिल सकेगा।

केजरीवाल की हिरासत 25 तक बढ़ी

- CBI की चार्जशीट पर जवाब दाखिल किया,
- राउज एवेन्यू कोर्ट ने AAP विधायक को जमानत दी

नई दिल्ली. शराब नीति केस में भ्रष्टाचार से जुड़े मामले में CM अरविंद केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 25 सितंबर तक बढ़ाई गई है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में उन्हें वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पेश किया गया।

इसी मामले में आरोपी और AAP विधायक दुर्गेश पाठक को अदालत ने जमानत 1 लाख रुपए के बॉन्ड पर जमानत दे दी है। CBI की सप्लीमेंट्री चार्जशीट दायर होने के बाद कोर्ट के समन पर वे अदालत में पेश हुए थे। दरअसल, CBI ने अरविंद केजरीवाल, दुर्गेश पाठक, विनोद चौहान, आशीष माथुर, सरथ रेड्डी के खिलाफ सप्लीमेंट्री चार्जशीट राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश की थी। 3 सितंबर को कोर्ट ने चार्जशीट पर संज्ञान लिया।

कोर्ट ने सभी आरोपियों को आज यानी 11 सितंबर तक अदालत में पेश होकर जवाब दाखिल करने के लिए कहा था। जवाब दाखिल होने के बाद कोर्ट ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत बढ़ाई और दुर्गेश पाठक को जमानत दे दी।

केदारनाथ में आपदा पर आस्था भारी

3 महीने में 17 भक्तों की मौत फिर भी 11 लाख से ज्यादा श्रद्धालु उमड़े

रुद्रप्रयाग . बाबा केदार के प्रति देश-विदेश के यात्रियों की अटूट आस्था के चलते यात्रा मार्ग में हो रहे हादसों के बाद भी भक्तों के कदम नहीं रुक रहे हैं। सोनप्रयाग से लेकर केदारनाथ धाम तक आपदा के डर पर भक्तों का भरोसा भारी पड़ रहा है। जिसके चलते सोनप्रयाग में सोमवार शाम को हादसा होने के बाद भी मंगलवार को करीब 2500 यात्री केदारनाथ रवाना हुए हैं।

हिमालय स्थित 11700 फीट की ऊंचाई पर भगवान केदारनाथ का मंदिर करोड़ों हिन्दुओं की आस्था का केंद्र है। यहां विकट से विकट परिस्थिति में भी बाबा के भक्त दर्शनों को पहुंचते रहे हैं। इस साल 10 मई को केदारनाथ धाम के कपाट खुलने से लेकर अब तक भूस्खलन और पहाड़ी से पत्थर गिरने की चार बड़ी घटनाएं घट चुकी हैं जिसमें 19 यात्रियों की मौत हुई है।

20 लापता और 11 यात्री घायल हुए हैं। बावजूद यात्रियों की आस्था में कोई कमी नहीं आई है। बीते साल 2023 में जहां पूरे यात्रा सीजन में करीब 19 लाख तीर्थयात्री केदारनाथ के दर्शनों के लिए पहुंचे थे। वहीं इस साल अभी तक 11.17 लाख से अधिक तीर्थयात्री बाबा केदार के दर्शन कर चुके हैं।

बीते दिन ही बारिश और अनेक बाधाओं को पार करते हुए करीब 5 हजार यात्री केदारनाथ धाम पहुंचे थे। जबकि मंगलवार को भी करीब 2500 यात्री सोनप्रयाग से केदारनाथ के लिए रवाना हुए हैं। तीर्थयात्रियों का कहना है कि बाबा केदार तो सबके पालनहार हैं।

सतर्क रहते हुए यात्रा की जानी चाहिए। बारिश होते ही सुरक्षित स्थानों पर रुकने में ही समझदारी है।

रुद्रप्रयाग जिले में वर्ष 2024 में हुई घटनाओं का ब्योरा

- 19 जून केदारनाथ पैदल मार्ग के चीड़बासा में भूस्खलन से 3 की मौत और 6 लोग घायल हुए।
- 22 अगस्त को केदारनाथ हाईवे पर फाटा के पास भूस्खलन से 4 लोगों की की मौत हुई।
- 31 जुलाई को केदारनाथ में लिंचोली में अतिवृष्टि से 7 की मौत, 2 घायल 20 लापता हुए।
- 9 सितंबर को सोनप्रयाग में भूस्खलन में 5 यात्रियों की मौत और तीन लोग घायल हुए।

हाईकोर्ट ने 4 आतंकियों की फांसी को उम्रकैद में बदला

पटना. पटना के गांधी मैदान में 27 अक्टूबर 2013 को नरेंद्र मोदी की हुंकार रैली में हुए सीरियल ब्लास्ट में पटना हाईकोर्ट ने 4 आतंकियों की फांसी को उम्रकैद में बदला है। सिविल कोर्ट ने सभी को फांसी की सजा सुनाई थी। हाईकोर्ट ने बाकी 2 दोषियों की उम्रकैद की सजा को बरकरार रखा है। ब्लास्ट में निचली अदालत ने 4 को फांसी और 2 को उम्रकैद की सजा सुनाई थी।

स्पेशल पीपी (पब्लिक प्रोसिक्यूटर) NIA मनोज कुमार सिंह ने कहा कि 'ये बहुत अच्छा फैसला है। कोर्ट ने आरोपियों की उम्र को देखते हुए फांसी की सजा उम्र कैद में बदला है। सभी आरोपियों की उम्र कम है।

न्यायालय ने कहा कि उम्र कम है, इन लोगों को भी जीने का अधिकार है। इसलिए फांसी की सजा नहीं दी गई।' सभी दोषियों की उम्र 30 से 35 साल के बीच है।

दोषियों के वकील इमरान घानी ने बताया कि 'अपील पर सुनवाई करते हुए 4 दोषियों को आजीवन कारावास (30 साल) की सजा सुनाई है, जबकि 2 दोषियों के लिए निचली अदालत के फैसले को सुरक्षित रखा है।

यह फैसला जस्टिस आशुतोष कुमार की खंडपीठ ने दिया है। नुमान अंसारी, मोहम्मद मजीबुल्ला, हैदर अली, इम्तियाज आलम को निचली अदालत ने फांसी की सजा सुनाई थी, जिसे अब हाईकोर्ट ने उम्रकैद में बदल दिया है। वहीं, उमैर सिद्दकी और अजरहुद्दीन कुरैशी के लिए निचली अदालत का जो आजीवन कारावास का फैसला है, उसे यथावत रखा है।

आम सूचना

मैं श्री प्रकाश दौलतराम वलेच्छा सभी को सूचित कर रहा हूं कि मेरी जायदाद बैरक नं. 1039, रुम नं. 17, सेक्शन 24, उल्हासनगर-3. क्षेत्रफल 35 वॉल (टैक्स नं. 36बीओ018895200) उक्त जायदाद महाराष्ट्र शासन के प्रॉपर्टी कार्ड में श्री दौलतराम ज्ञानचंद वलेच्छा के नाम पर है। उन्होंने श्री प्रकाश दौलतराम वलेच्छा को उपरोक्त जायदाद लिखकर दी है। जिस कारण प्रॉपर्टी कार्ड में अब यह जायदाद श्री प्रकाश दौलतराम वलेच्छा के नाम पर हो रही है। इस आम सूचना द्वारा सभी को सूचित कर रहे हैं कि उपरोक्त जायदाद के लिए अगर किसी भी व्यक्ति को किसी भी तरह का ऐतराज हो तो वो सारे सबूतों के साथ उपरोक्त दिए गए पत्ते पर संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
श्री प्रकाश दौलतराम वलेच्छा
श्री ईश्वरलाल गोविंदराम उदासी
मोबाईल. 9890478324

संक्षेप...

80 वर्षीय बुजुर्ग महिला घर से लापता

कलवा. 17 अगस्त को एक 80 वर्षीय बुजुर्ग महिला के अचानक घर से निकल लापता हो जाने का मामला सामने आया है। आसपास खोजबीन के बाद आखिरकार कलवा पुलिस थाने में उसके गुमशुदगी का मामला परिजनों ने दर्ज कराया। मालूम हो कि 17 अगस्त 2024 को दोपहर 4 बजे के पूर्व ही घर से उक्त महिला बिना किसी को कुछ बताए घर से निकल गई। लेकिन आज तक वापस नहीं आई। उक्त महिला कलवा पूर्व के वाघोबा नगर स्थित शिव शंकर चाल कमेटी में अपने परिजनों के साथ रहती थी।

MMRDA व PWD ने किया बेड़ा भिंवडी का गर्क

- शहरवासी गड्ढों में चलने को मजबूर
- भिंवडी महापालिका हुई बेबस

उल्हास विकास संवाददाता

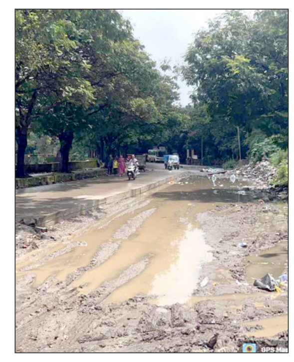

भिंवडी. भिंवडी में आरसीसी मार्ग निर्माण कर रही एमएमआरडीए व पीडब्लूडी की घटिया, लापरवाह कार्यप्रणाली से शहरवासियों का जीवन नरक बन गया है. शहरवासी गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं. शहर के नागरिक मनपा को कोसते हैं लेकिन सच्चाई यह है कि, अपनी मनमर्जी से मार्ग निर्माण कर रही सरकार की दोनों प्रमुख संस्थाओं पर मनपा का कोई जोर नहीं चलता है. जनहित सामाजिक संस्था ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को लिखितपत्र देकर मार्ग निर्माण कर्ता संस्थाओं की कार्यप्रणाली की जांच कराए जाने की मांग की है.

गौरतलब हो कि, 2018 में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडनवीस के कार्यकाल में भिंवडी में 52 आरसीसी रोड निर्माण की मंजूरी एमएमआरडीए को मिली थी. निर्माण हेतु फंड मिलने के हिसाब से आर सीसी मार्गों का निर्माण एमएमआरडीए,पीडल्यूडी द्वारा अंजाम दिया जा रहा है. करीब आधे से ज्यादा मार्ग पूर्ण होने की कगार पर हैं. शहर में करीब 2 दर्जन से अधिक मार्ग का निर्माण एमएमआरडीए व पीडब्ल्यूडी द्वारा बेहद मध्यम गति से शुरू है. एमएमआरडीए, पीडब्लूडी विभाग द्वारा शहर में किए जा रहे आरसीसी मार्गों का कोई नियोजन नहीं होने से सड़कों पर गड्ढे होने का ठीकरा मनपा पर फोड़ा जाता है.आधे अधूरे मार्ग निर्माण कर पानी निकासी सुविधा पर कोई ध्यान नहीं देने से मार्ग के किनारे पानी भरने से तालाब जैसा दिखाई पड़ता है.

निर्माणधीन मार्गों से गुजरना खतरे को दावत देना

धामनकर नाका से मंडई, चंदन बाग से ताड़ाली,मान सरोवर चौक से कामतघर, ताड़ाली,गौरीपाडा से रोशन बाग, ओसवाल वाडी से कामतघर, पद्मा नगर, अवचित पाड़ा, शांतिनगर, ईदगाह रोड आदि क्षेत्रों में एमएमआरडीए व पीडब्ल्यूडी द्वारा आरसीसी मार्ग बनाए जा रहे हैं. हालात ऐसे हैं कि, निर्माणाधीन मार्गों से गुजरना खतरे को दावत देना है. सड़क निर्माण संबंधित कोई नियोजन नहीं होने से पैदल बाइक सवार सड़क किनारे पानी भरे हुए गड्ढों में गिरकर चोटिल हो रहे हैं. एकनाथ शिंदे महायुति सरकार द्वारा करोड़ों रुपए खर्च के बाद भी भिवंडीकर सड़कों को लेकर नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं.भिवंडी की घटिया, बदहाल सड़कों का मामला मानवाधिकार आयोग एवम प्रदेश मुख्य सचिव तक पहुंच गया है.जनहित सामाजिक संस्था ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे को पत्र लिखकर भिवंडी की बेहतरी की खातिर दोनों सरकारी निर्माण संस्थाओं की कार्यप्रणाली की जांच की मांग की है.

आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली के निवास पर विराजे श्री गणेश.

भिवंडी. पार नाका मंडई स्थित मालानी बिल्डिंग में रोटरी क्लब आफ भिवंडी सीनियर रोटेरियन, समाजसेवी रमेश मोहनलाल मालानी कुटुंब द्वारा करीब 100 वर्ष से विघ्नहर्ता श्रीगणेश की मूर्ति स्थापित कर भक्तों को दर्शन लाभ देने का सिलसिला निरंतर जारी है.

'गन्ना गणेश' बना आकर्षण का केंद्र

भिवंडी. गौरीपाडा चांदमल करवा सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल में 5 दिवसीय गणेश उत्सव मंडल हर वर्ष विभिन्न वस्तुओं से नवीन तरीके से गणपति जी की मूर्ति के नए नए दृश्यों से गणेश जी के दर्शन कराने के लिए भिवंडी में प्रसिद्ध है. मंडल ने इस वर्ष गन्ने से बने गणेश जी की मूर्ति को आकार दिया है.मंडल का इस साल गणेशोत्सव का 35वां वर्ष है और हर साल अलग-अलग सामग्रियों से गणेश प्रतिमाएं बनाई जाती हैं.इससे पहले मंडल की तरफ से गणेश की मूर्ति सूखे मेवे, स्कूल सामग्री, किताबें, खेल सामग्री, शिक्षण सामग्री, चॉकलेट जैसी दैनिक उपयोगी नई सामग्रियों का उपयोग करके बनाई और कई पुरस्कार जीतने के साथ लोगों को खूब आकर्षित करती रही है.चित्रकार और कला प्रदर्शक, प्रमोद वामन भोईर ने इस वर्ष भारत की सबसे अधिक उपज देने वाली बहुउद्देश्यीय सामग्री, गन्ने का उपयोग करके इस सरल गणेश मूर्ति को बनाया है.शहर में इस ₹गन्ना गणेश₹ की खूब चर्चा है.गणेश भक्त यहां गणेश सजावट देखने के लिए बड़ी संख्या में आ रहे हैं.

ईवीएम व वीवीपीएटी मशीन का जागरूकता के लिए

जिलाधिकारी शिनगारे के हाथों शुभारंभ

उल्हास विकास संवाददाता

ठाणे. भारत चुनाव आयोग के सूचनानुसार ईव्हीएम (EVM) व व्हीव्हीपीएटी(VVPAT)मशीन के जनजागृती के लिए उपलब्ध कराया गया है। इस ईव्हीएम(EVM) व व्हीव्हीपीएटी(VVPAT)मशीन जनजागृती के लिए जिलाधिकारी कार्यालय में जिलाधिकारी व चुनाव निर्णय अधिकारी अशोक शिनगारे के हाथों से फीता काटकर शुभारंभ किया गया।इससे मतदाताओं को जागरूक करने के लिए जानकारी मिलेगी यह मत जिलाधिकारी शिनगारे ने व्यक्त किया।

इस अवसर पर उपजिला चुनाव अधिकारी वैशाली माने, प्रांताधिकारी उर्मिला पाटील, उपजिलाधिकारी (पुनर्वसन) सर्जेराव म्हस्के-पाटील, तहसिलदार उज्वला भगत, नायब तहसिलदार स्मितल यादव, प्रदीप कुडाल, अव्वल कारकून ऋषिकेश कुलकर्णी सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

गणेशोत्सव व नवरात्रोत्सव मंडल रक्तदान शिविर आयोजित कर मरीजों का करें मदद

ठाणे. जिला शल्य चिकित्सक डॉ. कैलाश पवार ने कहा कि गरजू मरीजों के इलाज के लिए जिला सिविल अस्पताल के ब्लड बैंक में वर्तमान स्थिति में खून का बड़ा आभाव है।इसलिए रक्तदान करने के लिए इच्छुक व्यक्ति अस्पताल में आकर रक्तदान कर सकते हैं।साथ ही उन्होंने ने धार्मिक उत्सव मंडलो से आवाहन किया है की रक्तदान शिविर का आयोजन कर इस सामाजिक कार्य में सहयोग करने के लिए जिला शल्य चिकित्सक डॉ पवार व जिला रक्त संक्रमण अधिकारी डॉ गिरीश चौधरी ने आवाहन किया है।यह रक्तदान मुहिम 11 सितंबर से सिविल अस्पताल के ब्लड बैंक में शुरू है इच्छुक रक्तदान करने वाले रक्तदाता के लिए रोजाना चलता रहेगा।

3.87 लाख रुपये मूल्य प्रतिबंधित तंबाकू जब्त, एक गिरफ्तार

नवी मुंबई. वाशी में पुलिस ने एक व्यक्ति को उसके पास से 3.87 लाख रुपये मूल्य के प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद जब्त करने के बाद गिरफ्तार किया है,इस बात की जानकारी वाशी पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि मंगलवार की सुबह नियमित गश्त के दौरान, पुलिस ने वाशी इलाके में एक पुल के पास एक कार देखी संदेह होने पर उस कार की तलाशी ली। तलाशी के दौरान वाहन में भारी मात्रा में प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद मिले और उन्हें जब्त कर लिया गया। पुलिस ने बताया कि जिस युवक को गिरफ्तार किया गया है वह बांद्रा का रहने वाला है। पुलिस युवक से पूछताछ कर रही है कि वह प्रतिबंधित तंबाकू किसे बेचने के लिए नवी मुंबई आया था।

मलाइका के पिता की मौत सुसाइड या हादसा?

बॉलीवुड एक्ट्रेस-मॉडल मलाइका अरोड़ा के घर से आज बेहद दुखद खबर सामने आई। उनके पिता अनिल अरोड़ा ने मुंबई के बांद्रा की एक इमारत की छठी मंजिल से कथित तौर छलांग लगा दी और उनकी मौत हो गई। पुलिस ने शुरुआती जांच के बाद कहा है कि अनिल अरोड़ा ने सुसाइड किया है, लेकिन पारिवारिक सूत्र इससे इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि यह सच है कि बिल्डिंग से गिरने से उनकी मौत हुई है पर यह एक हादसा था। सूत्र का कहना है अनिल अरोड़ा को कोई बीमारी नहीं थी और ऐसा कुछ भी नहीं था, जिसकी वजह वह सुसाइड करने की सोचते। हम पुलिस का पंचनामा मिलने पर आपको भेज देंगे, जिसमें घटना की सही जानकारी होगी।

तलाक के बाद भी साथ रहते थे मलाइका के माता-पिता

इस बीच मुंबई पुलिस ने मलाइका की मां का बयान दर्ज किया है। मलाइका और उनकी बहन अमृता अरोड़ा ने इस घटना के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब नहीं दिया। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया गया है मलाइका की मां जोयस ने पुलिस को अपने बयान में बताया कि अनिल अरोड़ा हर रोज सुबह बालकनी में बैठकर न्यूजपेपर पढ़ते थे। उन्होंने यह भी बताया कि तलाक के बावजूद कुछ साल पहले वे दोनों एक साथ रहने लगे थे।

जांच से पता चलेगा हादसा या सुसाइड

दूसरी तरफ, पुलिस अधिकारी ने कहा कि घटना के पीछे की वजह अभी पता नहीं चली है और जांच जारी है। उन्होंने कहा कि पुलिस ने मौके का पंचनामा कर सबूत जमा करना शुरू कर दिया है। उस इमारत के परिसर की वीडियो रिकॉर्डिंग भी की गई है, जहां अनिल अरोड़ा का शव मिला था। अधिकारी के मुताबिक, पुलिस ने वारदात की जानकारी जुटाने के लिए इमारत के सीसीटीवी फुटेज भी खंगाले हैं। अरोड़ा का पोस्टमॉर्टम किया जा रहा है। मलाइका अरोड़ा जब 11 साल की थीं तो उनके माता-पिता ने तलाक ले लिया था। मलाइका की इस मुश्किल घड़ी में इंडस्ट्री से उनके दोस्त और जानने वाले उनके पिता के घर पहुंच रहे हैं।मलाइका अरोड़ा के पूर्व पति अरबाज खान, अर्जुन कपूर भी वहां पहुंचे।

जोयस ने पुलिस को क्या दिया बयान?

जोयस ने बताया कि बुधवार की सुबह जब उन्होंने अपने एक्स पति की चप्पलें लिविंग रूम में रखी देखीं तो वो उनको (अनिल अरोड़ा) ढूंढने के लिए बालकनी में पहुंचीं। उन्होंने कहा कि अनिल जब बालकनी में नहीं दिखे तो उन्होंने नीचे झांक कर देखा। उस समय वॉचमैन मदद के लिए चिल्ला रहा था। मलाइका की मां ने यह भी कहा कि वो किसी भी तरह की बीमारी से नहीं जूझ रहे थे, बस घुटनों में दर्द था।, अनिल अरोड़ा ने मर्चेंट नेवी से वीआरएस ले लिया था।

पुणे को जोड़ेगा समृद्धि हाईवे

पुणे. महाराष्ट्र सरकार ने पुणे के निवासियों के लिए एक महत्वपूर्ण घोषणा की है. शिंदे सरकार ने कैबिनेट बैठक में यह निर्णय लिया है कि समृद्धि महामार्ग को पुणे से जोड़ा जाएगा. इस योजना के तहत पुणे और शिरूर के बीच 53 किलोमीटर लंबा छह स्तरीय फ्लाईओवर प्रस्तावित किया गया है जो अहमदनगर और छत्रपति संभाजीनगर के माध्यम से समृद्धि राजमार्ग से जुड़ेगा.

जानिए कितना आएगा खर्च

यह नया फ्लाईओवर केसनंद गांव से शुरू होकर शिरूर तक जाएगा और इसके निर्माण पर 7515 करोड़ रुपये की लागत आएगी. हालांकि, इस फ्लाईओवर को अहमदनगर होते हुए समृद्धि राजमार्ग तक जोड़ने के लिए अतिरिक्त 2050 करोड़ रुपये का खर्च आएगा, जिससे कुल लागत 9565 करोड़ रुपये हो जाएगी. इस हाईवे की कुल लंबाई 250 किलोमीटर होगी.

कैबिनेट की बैठक में इस परियोजना को मंजूरी दी गई, जिसका नेतृत्व मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने किया. इस संशोधित मार्ग के तहत पुणे से छत्रपति संभाजीनगर तक का राष्ट्रीय राजमार्ग, जिसे पहले 'एनएचएआई' द्वारा बनाया जाना था अब 'एमएसआईडीसी' के तहत निर्मित किया जाएगा. अप्रैल में हुए समझौते के अनुसार यह प्रोजेक्ट 'एमएसआईडीसी' को सौंपा गया था और अब इस पर कार्य तेजी से शुरू किया जाएगा. यह परियोजना न केवल पुणे और छत्रपति संभाजीनगर के बीच संपर्क को बेहतर बनाएगी, बल्कि क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास को भी नई ऊंचाइयां देगी.

पीडब्ल्यूडी के एक अधिकारी ने कहा, "मार्च 2024 में हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन (एमओयू) के अनुसार, पीडब्ल्यूडी और महाराष्ट्र सरकार दो साल के भीतर परियोजना को शुरू करने के लिए सभी आवश्यक उपाय शुरू करेंगे. ऐसा न करने पर सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय (एमओआरटीएच) सार्वजनिक हित में पूरी परियोजना को अपने हाथ में लेने पर विचार कर सकता है."

उल्हास वि NEWS
www.ulhasvikas.com
ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
/ulhasvikas /ulhasvikas
/ulhasvikas /ulhasvikas

रश्मिका मंदाना का हुआ एक्सीडेंट

- रिकवरी पीरियड में फैंस को दिया अपडेट
- कहा- अब मैं ठीक हूं, डॉक्टर्स की सलाह पर घर में ही थी

गीता गोविंदा, एनिमल जैसी बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रहीं

रश्मिका मंदाना का हाल ही में माइनर एक्सीडेंट हुआ है। एक्सीडेंट के बाद रिकवरी के लिए एक्ट्रेस बीते लंबे समय से डॉक्टर्स की सलाह पर घर में ही थीं। अब एक्ट्रेस ने सोशल मीडिया के जरिए फैंस को अपनी हेल्थ अपडेट दी है। रश्मिका मंदाना ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से लिखा है, हैलो, आप सब कैसे हैं। मैं जानती हूं कि मुझे यहां आए और पब्लिक में गए काफी टाइम हो गया है। मेरे लंबे समय से एक्टिव न होने का कारण मेरा एक्सीडेंट है। (छोटा सा एक्सीडेंट)। मेरी रिकवरी चल रही थी और डॉक्टर की सलाह पर मैं घर में ही थी। आगे एक्ट्रेस ने लिखा है, अब मैं ठीक हूं और सचेत रहने के लिए मैं अपनी एक्टिविटीज के लिए सूपर एक्टिव होने के फेज में हूं। अपना ख्याल रखते हुए हमेशा खुद को प्रायोरिटी बनाइए। क्योंकि जिंदगी बेहद नाजुक और छोटी है और हम नहीं जानते कि हम कल हैं या नहीं इसलिए हर दिन खुशियां चुनिए। एक और अपडेट ये है कि मैं बहुत सारे लड्डू खा रही हूं।

Subscribe to our ULHAS VIKAS YouTube Channel
उल्हास वि NEWS

संस्थापक संपादक- स्व. श्री अशोक उकाराम बोधा
लोकप्रिय हिंदी दैनिक उल्हास विकास
सब पे नजर, सबकी खबर Since 1985
ULHAS VIKAS Hindi Daily By :- HERO ASHOK BODHA
www.ulhasvikas.com (Editor in Chief)
25 Lakhs THANK YOU Viewer's
25,00,000
उल्हास वि NEWS ULHAS VIKAS ANDROID APP ON Google play Install now
Thank you
Pageviews yesterday 2,763
Pageviews last month 76,471
Pageviews all time history 1,007,712
Followers 168

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099